RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 94 ता.01 अक्टूबर 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

2 अक्टूबर को लगेगा रिंग ऑफ फायर सूर्य ग्रहण

आसमान में दिखाई देगी एक और खगोलीय घटना,वलयाकार होगा सूर्य ग्रहण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पृथ्वी पर एक दुर्लभ खगोलीय घटना होने वाली है। एक सूर्य ग्रहण लगने वाला है। यह साल का दूसरा और आखिरी सूर्य ग्रहण होगा जो बुधवार यानी 2 अक्टूबर को लगेगा। यह एक वलयाकार सूर्य ग्रहण होगा जो आसमान में रिंग ऑफ फायर बनाएगा। दरअसल सूर्य ग्रहण लगने का वैज्ञानिक कारण है। जब भी पृथ्वी, चंद्रमा और सूर्य एक सीध में आ जाते हैं तो सूर्य ग्रहण लगता है। चंद्रमा तब पृथ्वी और सूर्य के बीच में होता है। इससे सूर्य से आने वाला प्रकाश बाधित हो जाता है। पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले चंद्रमा की दूरी भी समय-समय पर बदलती रहती है। चंद्रमा की दूरी बदलने से पृथ्वी से देखने पर यह छोटा और बड़ा दिखाई देता है। जब चंद्रमा पृथ्वी के सबसे नजदीक होता है तब यह बड़े आकार का दिखता है। इस दौरान अगर सूर्य ग्रहण लगे तो वह पूरे सूर्य को ढक पाता है, जिसे पूर्ण सूर्य ग्रहण कहा जाता है। तब अंतरिक्ष से देखने पर पृथ्वी पर चंद्रमा की एक बड़ी परछाई

दिखती है। जिस इलाके में सूर्य ग्रहण लगता है वहां पर कुछ मिनटों के लिए दिन में रात जैसा नजारा हो जाता है। तापमान में भी गिरावट देखने को मिलती है। वलयाकार रिंग के दौरान चंद्रमा पृथ्वी से दूर होता है तो इसका आकार बदल जाता है। यह तब देखने में छोटा लगता है। सूर्य ग्रहण के दौरान यह सूर्य को पूरी तरह नहीं ढक पाता। इस कारण सूर्य के किनारे दिखाई देते हैं। पृथ्वी से इस नजारे को देखने पर ऐसा लगता है जैसे आसमान में आग की रिंग है। यह सूर्य ग्रहण छह घंटे से ज्यादा तक चलेगा। हालांकि अगर आप भारत में इसे देखना चाहते हैं तो आपको निराश होना पड़ेगा। क्योंकि यह वलयाकार सूर्य ग्रहण भारत में नहीं लगेगा। यह दक्षिणी अमेरिका में लगेगा। भारतीय समय के मुताबिक 2 अक्टूबर को 9.13 से यह सूर्य ग्रहण शुरू होगा और 3 अक्टूबर 3.17 तक दिखाई देगा।

संक्षिप्त समाचार

मंच पर भाषण देते समय बिगड़ी मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत

- चेकअप के लिए बुलाए गए डॉक्टर, बोले-इतना जल्दी नहीं मरूंगा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए कठुआ पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मंच पर भाषण देते हुए तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उनके भाषण को बीच में रोका गया और पार्टी नेताओं ने उनका हाथ पकड़कर कुर्सी पर बैठाया। पार्टी नेताओं ने बताया कि अब उनकी हालत स्थिर है और डॉक्टरों को उनका चेकअप करने के लिए बुलाया गया है। खरगे कठुआ में आतंकवादियों के साथ चल रहे ऑपरेशन में शहीद हुए एक हेड कांस्टेबल को श्रद्धांजलि दे रहे थे। इस घटना में दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं

और एक आतंकवादी मारा गया है। कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने बताया, वह जसरोटा में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे, तभी उन्हें बेचैनी और चक्कर आने लगा। उनके सहयोगियों ने उन्हें कुर्सी पर बैठाने में मदद की। उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष की हालत स्थिर है। खरगे विधानसभा चुनावों में अपने पार्टी उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने के लिए एक रैली को संबोधित करने के लिए जसरोटा गए थे। उनका उधमपुर जिले के रामनगर में एक और जनसभा को संबोधित करने का भी कार्यक्रम है। तबीयत बिगड़ने से पहले रैली को संबोधित किया।

इजरायल ने हिजबुल्ला के एक और कमांडर को किया ढेर

- हवाई हमले में मारा गया हिजबुल्लाह कमांडर नबील कौक

बेरूत (एजेंसी)। हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद भी इजरायल रुकने का नाम नहीं ले रहा है। अब इजरायल ने हिजबुल्लाह के एक और वरिष्ठ कमांडर को हवाई हमले में उड़ा दिया है। इजरायली सेना ने बताया है कि लेबनान की राजधानी बेरूत में कल रात हवाई हमले में हिजबुल्लाह का वरिष्ठ कमांडर नबील कौक मारा गया है। इजरायली सेना ने कहा है कि नबील कौक हिजबुल्लाह

नेतृत्व का करीबी था। आईडीएफ के अनुसार, नबील कौक हिजबुल्लाह की प्रिवेंटिव सिक्योरिटी यूनिट का कमांडर था और चरमपंथी समूह की केंद्रीय परिषद का वरिष्ठ सदस्य था। इजरायली सेना का कहना है कि वह हाल के दिनों में इजरायल और उसके नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी हमलों को बढ़ाने में सीधे तौर पर शामिल था। कौक 1980 के दशक में हिजबुल्लाह में शामिल हुआ था। समूह में आगे बढ़ते हुए वह पहले कार्यकारी परिषद में उप प्रमुख और बाद में दक्षिणी लेबनान क्षेत्र के प्रमुख की भी जिम्मेदारी दी गई। इजरायल दहियाह में कौक पर हमला करके उसे मार गिराया।

मन की बात पर पीएम मोदी बोले

बाइडेन ने अपनापन दिखाया 300 कलाकृतियां लौटाईं

10 साल पूरे होने पर कहा-कार्यक्रम मंदिर में पूजा करने जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 114वें एपिसोड में कहा- हमारी यात्रा को 10 साल हो चुके हैं। यह कार्यक्रम विजयादशमी के दिन शुरू हुआ था। 10 साल पूरे होने के समय नवरात्रि का पहला दिन होगा। मन की बात के कई पड़ाव हैं, जिन्हें मैं भूल नहीं सकता। यह कार्यक्रम मेरे लिए मंदिर में पूजा करने जैसा है। पीएम मोदी ने कहा कि हाल की अमेरिका यात्रा के को लेकर बहुत मैसेज मिले। हमारी प्राचीन कलाकृतियों को लेकर बहुत चर्चा हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनापन दिखाया। उन्होंने भारत को करीब 300 कलाकृतियों वापस लौटाई। इनमें से कुछ 4 हजार साल पुरानी हैं। मन की बात मेरे लिए ऐसी है जैसे मंदिर जाकर पूजा करना। मैं

सभी मीडिया को धन्यवाद करता हूं,क्योंकि उन्होंने इस कार्यक्रम को घर-घर पहुंचाया है। यूट्यूबर्स ने इस पर कई कार्यक्रम किए हैं। मुझे अच्छा लगता है जब लोग ये कहते हैं कि उन्होंने मन की बात को स्थानीय भाषा में सुना। इस यात्रा के दौरान कई ऐसे साथी हैं, जिनका निरंतर सहयोग मिलता रहा है। एक धारणा ऐसी घर कर गई है, कि जब तक चटपटी नकरात्मक बातें न हों तब तक उसे तवज्जोह नहीं मिलती। मन की बात ने इसे गलत साबित किया है। चकोर पक्षी बारिश की बूंद ही पीता है। मन की बात में भी लोग देश के लोगों की उपलब्धियों को ध्यान से सुनते हैं। हर एपिसोड के साथ नई गाथाएं कीर्तिमान जुड़ जाते हैं। हमारे देश में कई लोगों का जीवन निस्वार्थ सेवा में लगा है। उनके बारे में जानकार मैं गर्व से भर जाता हूं। पिछले कुछ सप्ताह से देश के अलग हिस्सों में जबरदस्त बारिश हो रही है। ये हमें जल संरक्षण के बारे में याद दिलाता है।

मुझे खुशी है कि इसके लिए कई लोग पहल कर रहे हैं। यूपी के झांसी में एक ऐसी ही पहल हुई है। यहां हमेशा पानी की किल्लत रहती है। यहां की महिलाओं ने जल सहेली बनकर मृतप्राय हो चुकी गुरारी नदी को बचाया है। इन जल सहेलियों ने बोरियों में बालू को भरकर पानी को बचाया। नदी को पानी से लबालब भर दिया।

झारखंड विधानसभा चुनाव अकेली लड़ेगी एलजेपी-आर

- चिराग पासवान बीजेपी को देंगे झटका! बोले-सभी विकल्पों पर हो रही चर्चा

रांची (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ेगी। रविवार को रांची में पत्रकारों से बातचीत में चिराग पासवान ने कहा कि झारखंड विधानसभा गठबंधन में या अकेले चुनाव लड़ने सहित सभी विकल्पों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। चिराग पासवान ने

यह बयान ऐसे समय दिया है जब एक दिन पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की थी कि बीजेपी झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव एनडीए के घटक दलों आजसू पाीओ और जेडीयू के साथ मिलकर लड़ेगी। हालांकि लोजपा (रामविलास) केंद्र में भाजपा नीत राजग सरकार का हिस्सा है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पासवान ने रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा कि लोजपा की प्रदेश इकाई गठबंधन या अकेले चुनाव लड़ने सहित सभी विकल्पों पर विचार-विमर्श कर रही है।

चंद्रयान-3 चंद्रमा के सबसे पुराने क्रेटर पर उतरा

रिसर्चर्स बोले-यह 3.85 अरब साल पहले बना था

इस साइट पर कोई दूसरा मिशन लैंड नहीं हुआ है

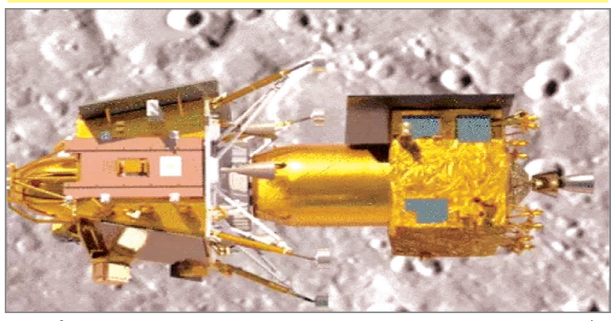

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्र मिशन और सैटेलाइट्स की तस्वीरों का विश्लेषण करने वाले वैज्ञानिकों ने अनुमान जताया है कि चंद्रयान-3 चंद्रमा के सबसे पुराने क्रेटर्स में से एक पर उतरा। वैज्ञानिकों की टीम में अहमदाबाद के फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी एंड इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के रिसर्चर्स भी शामिल हैं। फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी के प्लैनेटरी साइंस डिवीजन में एसोसिएट प्रोफेसर एस विजयन ने बताया कि यह क्रेटर 3.85 अरब साल पहले नेक्टेरियन काल के दौरान बना था। नेक्टेरियन काल चंद्रमा के इतिहास में सबसे पुराने समय काल में से एक है। एस विजयन ने न्यूज एजेंसी को बताया कि चंद्रयान-3 लैंडिंग साइट एक यूनीक जियोलॉजिकल सेटिंग है। वहां इससे पहले कोई दूसरा मिशन नहीं गया है। चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर की तस्वीरें इस लैटीट्यूड पर चंद्रमा की पहली तस्वीरें हैं। तस्वीरें से पता चलता है कि चंद्रमा समय के साथ कैसे बदला है। भारत ने चंद्रयान-3 को 14 जुलाई 2023 को 3 बजकर 35 मिनट पर आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया था। 22 दिन बाद 5 अगस्त को यह चंद्रमा के ऑर्बिट में पहुंचा था। चंद्रयान-3 ने लॉन्च होने के 41वें दिन 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंडिंग की। इसी के साथ भारत चंद्रमा के साउथ पोल पर उतरने वाला पहला देश बन गया। क्रेटर क्या है और कैसे बनता है किसी भी ग्रह, उपग्रह को क्रेटर कहा जाता है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में एक आतंकी हो गया ढेर

कल हेड कॉन्स्टेबल की मौत हुई थी,एसीपी और एसआई घायल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बिलावर तहसील स्थित कोग-मंडली में रविवार को दूसरे दिन भी सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आज दोपहर एक आतंकी मारा गया है। उसका शव बरामद हो गया है। जम्मू जोन के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस आनंद जैन ने बताया कि सुरक्षाबलों ने शनिवार, 28 सितंबर को सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। उन्हें तीन से चार विदेशी आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। देर शाम आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की, जिसमें हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद की मौत हो गई। एसीपी और असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर घायल हुए थे। दोनों अधिकारियों की हालत अभी स्थिर है। कुलगाम में 2 आतंकी ढेर, 5 सुरक्षाकर्मी घायल कुलगाम के आदिगाम देवसर इलाके में भी शनिवार, 28 सितंबर को एनकाउंटर हुआ। इसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। गोलीबारी में सेना के 4 जवान और कुलगाम के एएसपी घायल हुए। साउथ कश्मीर के अधिकारी जाविद इकबाल मट्टू ने बताया कि आदिगाम एनकाउंटर में मारे गए दोनों आतंकियों की पहचान हो गई है। इनमें एक आतंकी आकिब अहमद शेरगोजरी बडगाम के चडूरा का रहने वाला है। दूसरा आतंकी उमैस वानी है, जो कुलगाम के ही चावलगाम का रहने वाला है। दोनों आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करते थे। पुलवामा में 27 सितंबर को जैश-ए-मोहम्मद के 6 सहयोगी गिरफ्तार हुए थे पुलिस ने शुक्रवार, 27 सितंबर को पुलवामा के अवंतीपोरा में टेरर मॉड्यूल का खुलासा किया था।

पुलिस ने जैश-ए-मोहम्मद के 6 आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। ये युवाओं को आतंकवाद की ट्रेनिंग देते थे। इनके पास से 5 आईईडी, 30 डेटोनेटर, आईईडी की 17 बैटरी, 2 पिस्टल, 3 मैगजीन, 25 राउंड, 4 हैंड ग्रेनेड और 20 हजार कैश बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि जैश-ए-मोहम्मद के पाकिस्तान स्थित कश्मीरी आतंकी उन युवाओं की तलाश में हैं, जिनका ब्रेन वॉश किया जा सकता है। जांच में सामने आया कि आतंकी ने जेल में एक ओवर ग्राउंड वर्कर की मदद से कई युवाओं की पहचान की, जिन्हें अवंतीपोरा के त्राल क्षेत्र में आतंकवाद में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया था।

बिहार में 'नेम प्लेट' पर विवाद, बीजेपी-जेडीयू में खिंची तलवारें

- भाजपा का तर्क नेम प्लेट से पारदर्शिता आएगी, जबकि जदयू इसे अनावश्यक मानती है

पटना (एजेंसी)। बिहार में जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता पार्टी के बीच नेम प्लेट को लेकर मतभेद उभर कर सामने आ गया है। भाजपा जहां दुकानों पर नेम प्लेट लगाने के पक्ष में है, वहीं जदयू इसे अनावश्यक मानती है। भाजपा का कहना है कि नेम प्लेट से पारदर्शिता आएगी और लोग अपनी आस्था के अनुसार दुकानों पर जा सकेंगे। वहीं जदयू का तर्क है कि नेम प्लेट से कोई फायदा नहीं होगा। उनका कहना है कि खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए, न कि दुकानों के नाम की। यह पहली बार नहीं है जब दोनों दलों के बीच वैचारिक मतभेद सामने आए हैं। राम मंदिर निर्माण के मुद्दे पर भी जदयू ने शुरू में चुप्पी साधे रखी थी। आठ महीने बाद मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बधाई दी थी। विश्लेषकों का मानना है कि जदयू अपनी सेक्युलर छवि को बरकरार रखना चाहती है, इसलिए वह भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे से दूरी बनाए रखती है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि नेम प्लेट लगाने से कुछ नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि दुकानों में बिकने वाली चीजों की गुणवत्ता की जांच हो। उन्होंने कहा कि तेल और मसालों में कितनी मिलावट है, इसकी जांच होनी चाहिए। सामग्री का पूरा विवरण दुकान के आगे चस्पा होना चाहिए। नीरज कुमार ने कहा कि राजनीतिक स्वास्थ्य के लिए नेम प्लेट की मांग ठीक है।

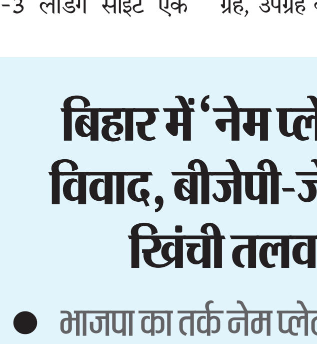

हुड्डा साहब सत्ता में थे तो दलालों, डीलरों और दामादों की सरकार थी

हरियाणा चुनाव में अमित शाह बोले-राहुल बाबा झूठ बोलने की मशीन

करनाल (एजेंसी)। देश के गृह मंत्री अमित शाह रविवार को हरियाणा के दौरे पर है। उन्होंने बादशाहपुर और नांगल चौधरी में रैली को संबोधित किया। करनाल में गृह मंत्री अमित शाह की सभा है। बादशाहपुर में अमित शाह ने कहा कि यह द्रोण की नगरी है, यहां जब भी कोई स्वतंत्रता संग्राम हुआ, हरियाणा के यादव समाज के भाई-बहनों ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अमित शाह ने कहा कि हरियाणा ऐसा राज्य है, जहां की माताओं ने अपने जवानों को सेना में भेजा है। हरियाणा वीरों की भूमि है। मोदी जी जब 2014 में सत्ता में

आए, तो उन्होंने अपना चुनाव अभियान हरियाणा से शुरू किया। प्रचार के दौरान मोदी जी ने वादा किया था कि हम वन रैंक, वन पेंशन को पूरा करेंगे, लेकिन 40 साल तक कांग्रेस सरकार इसे टालती रही। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन-सोनिया गांधी ने सैनिकों की इस मांग को नहीं सुना।आपने जैसे ही मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाया, उन्होंने तुरंत सैनिकों की वन रैंक, वन पेंशन की मांग को पूरा कर दिया। आज मैं आपको बताता हूं कि मोदी जी ने वन रैंक, वन पेंशन का तीसरा संस्करण भी लागू कर दिया है। जल्द ही नए वेतन के साथ पेंशन भी मिलेगी। कांग्रेस के राहुल बाबा को आप जानते हैं या नहीं, वे झूठ बोलने की मशीन हैं। उनका कहना है कि सरकार अग्निवीर योजना इसलिए लेकर आई क्योंकि सरकार उन्हें पेंशन वाली नौकरी नहीं देना चाहती। उन्हें नहीं पता कि अग्निवीर योजना हमारी सेना को जवान रखने के लिए बनाई गई है। मैं आपसे यह कहकर विदा लेता हूं कि हरियाणा के युवाओं को सेना में भेजने में संकोच न करें, इसका कारण भी मैं आपको बताता हूं कि हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार प्रत्येक अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देगी। आने वाले पांच साल अग्निवीर के लिए बहुत अच्छे होंगे।

थर्मल ड्रोन से कैद हुआ छठा आदमखोर भेड़िया, वन विभाग टीमें पकड़ने में जुटी

बहराइच। बहराइच जिले में छठे और आखिरी आदमखोर भेड़िए की तस्वीर वन विभाग के थर्मल ड्रोन में कैद हो गई है। यह भेड़िया थाना हरदी क्षेत्र के कछार वाले इलाके में नजर आया है, जहां पहले ही पांच भेड़ियों को पकड़ लिया गया था। फिलहाल, वन विभाग की टीमें सर्च ऑपरेशन चला रही हैं और भेड़िए को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। छठे भेड़िए की वीडियो वायरल होने के बाद इलाके में हलचल मच गई है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही वन विभाग इस भेड़िए को पकड़ने में सफल होगा। हालांकि, भेड़िए को पकड़ना आसान नहीं है, क्योंकि यह जानवर एक दिन में 20 से 25 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकता है। संभावना है कि वीडियो रिकॉर्ड होने के बाद भेड़िया कहीं दूर चला गया हो। बावजूद इसके, वन विभाग की टीमें थर्मल ड्रोन के साथ लगातार उसकी निगरानी कर रही हैं। बहराइच के डीएफओ खुद मौके पर पहुंचकर ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं। वन विभाग ने इस इलाके में जाल बिछाया था, लेकिन भेड़िया जाल से काफी दूर पाया गया। इसके बाद, इलाके को तीन सेक्टरों में बांटकर सर्च अभियान चलाया जा रहा है। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि थर्मल ड्रोन में छठे भेड़िए की पुष्टि हो चुकी है, और यह उसी कछार इलाके में है, जहां पहले पांच भेड़ियों को पकड़ा गया था। हरिबक्स पुरवा और चहलारी क्षेत्र में भेड़िया दिखाई दिया है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही भेड़िए को पकड़ लिया जाएगा।

धारावी में मुस्लिम समाज ने खुद तोड़ दिया मस्जिद के अनाधिकृत निर्माण

मुंबई। मुंबई के धारावी में महबूब-ए-सुबानिया मस्जिद के अनधिकृत निर्माण को ट्रस्ट की ओर से खुद तोड़ा गया। पिछले हफ्ते नगर पालिका की टीम मस्जिद के अनधिकृत निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई के लिए आई थी, तब लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया था। इसके बाद धारावी में तनावपूर्ण माहौल पैदा हो गया था। मामला बढ़ता देख ट्रस्ट ने खुद अनधिकृत निर्माण को हटाने का आश्वासन दिया था। इसके तहत सोमवार को ट्रस्ट ने मस्जिद पर हुए अनाधिकृत निर्माण को खुद ही तोड़ दिया।

बीएमसी ने बताया था अनधिकृत- मुंबई के धारावी के 90 फीट रोड पर 25 साल पुरानी सुभानिया मस्जिद को बीएमसी ने अनाधिकृत बताया था। बीएमसी अधिकारियों की कार्रवाई से पहले ही मुस्लिम समाज के लोग सड़कों पर आए और पूरा रास्ता जाम कर दिया था। मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि यह मस्जिद बहुत पुरानी है। मुस्लिम समाज के लोगों का कहना है कि ये मस्जिद बहुत पुरानी है और इस पर कार्रवाई गलत है। मुंबई नॉर्थ सेंट्रल की सांसद प्रो. वर्षा गायकवाड़ ने कहा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और उन्हें धारावी के महबूब-ए -सुबानिया मस्जिद को मिले बीएमसी के डिमोलिशन नोटिस को लेकर लोगों की भावनाओं से अवगत कराया।

भारत से विदेशों में नौकरी के नाम पर लड़कियों की तस्करी

- 9 लड़कियों को छुड़ाने में मिली मदद

जालंधर। संत सीचेवाला ने पंजाब के लोगों से अपील की है। वह अपनी बेटियों को खाड़ी के देशों में भेजने से बचें। उन्होंने अरब देशों में फंसी लड़कियों का उल्लेख करते हुए, उनकी दुखद कहानी सुनाई। नौकरी और अच्छे भविष्य का लालच दिखाकर पंजाब की लड़कियों को खाड़ी के देशों में भेजा जा रहा है। वहां पर उन्हें कैद कर लिया जाता है। उनका यौन शोषण होता है। खाड़ी के देशों से जो 9 लड़कियां वापस आई हैं। उन्होंने अपनी दुखद गाथा सुनाई है। इन लड़कियों को पंजाब से 35 से 40000 की नौकरी का झांसा देकर खाड़ी देशों में ले जाया गया था। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही उनके पासपोर्ट ले लिए गए थे। लड़कियों को कमरों में कैद कर दिया जाता था। खाड़ी के देशों में लड़कियों को भेजने का काम ट्रैवल एजेंट अवैध तरीके से करते हैं। खाड़ी के देशों में इन लड़कियों से 12 घंटे से अधिक लगातार काम करवाया जाता है। उनके साथ दुर्व्यवहार होता है। उनका शारीरिक शोषण किया जाता है। विरोध करने पर मारपीट की जाती है। सांसद संत बलबीर सिंह की कोशिशों के बाद इराक, अमन और कतर से 9 लड़कियों को बामुश्किल वापस लाया गया है। उन्होंने जब अपनी आप बीती सुनाई। उससे सभी हतप्रभ होकर रह गए।

जम्मू-कश्मीर चुनाव : एमसीसी उल्लंघनों के 1263 मामलों में 130 करोड़ जब्त

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के चलते आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के कुल 1,263 मामले सामने आए हैं जिनमें 130 करोड़ रुपए की नकदी और अन्य सामग्री भी जब्त की गई। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि पुलिस विभाग ने 107.50 करोड़ रुपए जब्त किए। अब तक एमसीसी उल्लंघनों के 1,263 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 600 को जांच और उचित कार्रवाई के बाद बंद कर दिया गया है। पोल ने बताया कि 364 शिकायतों की जांच जारी है, जिनका जल्द ही निपटारा कर दिया जाएगा। इसके अलावा 115 उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों, मीडिया संस्थानों और अन्य को उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। चुनाव अधिकारी ने कहा कि मादक पदार्थ, नकदी और शराब से जुड़ी अवैध गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए प्रवर्तन एजेंसियों ने 32 मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनाव में अब तक जम्मू-कश्मीर में कई प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कुल 130 करोड़ रुपए की जब्त किए गए हैं।

कलयुगी बेटों ने मां को पेड़ से बांधकर जिंदा जलाया, आरोपी गिरफ्तार

त्रिपुरा। पश्चिमी त्रिपुरा में एक ह्रदयविदारक घटना सामने आई है जहां दो कलयुगी बेटों ने अपनी बुजुर्ग मां को पेड़ से बांधकर जिंदा जला दिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे संदेह है कि पारिवारिक विवाद के कारण इस अपराध को अंजाम दिया गया। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार रात चंपकनगर थाना क्षेत्र के खमारबाड़ी में हुई थी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 40 सीटों के लिए मतदान आज... 415 कैंडिडेट्स

जम्मू-कश्मीर में तीसरे चरण के मतदान की तैयारियां पूरी

लखनऊ। (एजेंसी)।श्रीनगर, 30 सितंबर (वेब वार्ता)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के लिए मंगलवार को होने वाले मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं।

तीसरे चरण में 40 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा, जिनमें से 16 कश्मीर घाटी में और 24 जम्मू में हैं। ये विधानसभा क्षेत्र सात जिलों कुपवाड़ा, बारामूला, बांदीपोरा, उधमपुर, कठुआ, सांबा और जम्मू में फैले हैं।

जम्मू-कश्मीर में एक दशक में पहली बार विधानसभा चुनाव हो रहा है। पिछला विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था।

चुनाव के तीसरे चरण में न केवल 415 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा, बल्कि यह भी पता चलेगा कि जम्मू-कश्मीर में 08 अक्टूबर को कौन सी पार्टी अगली सरकार बना सकती है। मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और शाम छह बजे तक चलेगा।

चुनाव आयोग के मुताबिक 40 विधानसभा सीटों पर 39.18 लाख मतदाता पंजीकृत हैं तथा 5060 मतदान केंद्र स्थापित किये गये हैं।

तीसरे चरण में 25 पूर्व मंत्री और विधायकों समेत कई नामचीन उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा। प्रमुख उम्मीदवारों में छंब विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता तारा चंद, बारामूला से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतरे पूर्व उपमुख्यमंत्री मुजफ्फर हुसैन बेग, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद लोन, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के बशारत बुखारी, नेशनल कॉन्फ्रेंस के चौधरी रमजान, भारतीय जनता पार्टी के शाम लाल शर्मा और देवेंद्र सिंह राणा तथा कांग्रेस के चौधरी लाल सिंह और उस्मान मजीद शामिल हैं।

कश्मीर में सबकी निगाहें अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) पर होंगी, जिसका नेतृत्व सांसद अब्दुल रशीद शेख कर रहे हैं, जिन्हें इंजीनियर रशीद के नाम से जाना जाता है। उन्हें अंतरिम जमानत पर तिहाड़ जेल से रिहा किया गया था और उन्होंने विधानसभा चुनावों के लिए जमकर प्रचार किया है।

जम्मू जिले में चुनावी मैदान में 109 उम्मीदवार हैं, इसके बाद बारामूला में 101, कुपवाड़ा में 59, बांदीपोरा में 42, उधमपुर में 37, कठुआ में 35 और सांबा में 32 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

जम्मू संभाग के उधमपुर जिले के उधमपुर पश्चिम में 12 उम्मीदवार, 60-उधमपुर पूर्व में 09, चेनानी में 09, जबकि रामनगर में 07 उम्मीदवार मैदान में हैं। कठुआ जिले के बनी में 08 उम्मीदवार, बिलावर में 04, बसोहली में 04, जसरोटा में 08, कठुआ में 05 और हीरानगर विधानसभा क्षेत्रों में 06 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। सांबा जिले के रामगढ़ में 07 उम्मीदवार रह गए हैं, सांबा में 14 और विजयपुर में 11 उम्मीदवार मैदान में हैं। जम्मू जिले के बिश्नाह में 09 उम्मीदवार, सुचेतगढ़ में 11, आर.एस. पुरा-जम्मू दक्षिण, बाहु में 12, जम्मू पूर्व में 09, नगरोटा में 08, जम्मू पश्चिम में 12, जम्मू उत्तर में 17, मढ़ में 06, अखनूर में 03 और छंब विधानसभा क्षेत्र में 08 उम्मीदवार हैं।

इसी तरह कश्मीर संभाग के कुपवाड़ा जिले के करनाह में चुनाव के लिए 08 उम्मीदवार, त्रेहगाम में 10, कुपवाड़ा में 08, लोलाब में 11, हंदवाड़ा में 07, और लंगेट में 15 उम्मीदवार मैदान में हैं। बारामूला जिले के सोपोर में 20 उम्मीदवार, रफियाबाद में 12, उरी में 06 बारामूलामें 25, गुलमर्ग में 13, वागूरा-क्रीरी में 12, और 13-पट्टन विधानसभा क्षेत्रों में 13 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। बांदीपोरा जिले के सोनावारी में 18 उम्मीदवार, बांदीपोरा में 19 और गुरेज में 05 उम्मीदवार मैदान में हैं।

गौरतलब है कि प्रदेश में पहले और दूसरे दौर का चुनाव क्रमशः 18 और 25 सितंबर को हुआ है। चुनाव परिणाम आठ अक्टूबर को आएंगे।

मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड, 8 अक्टूबर को मिलेगा सम्मान

नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह अवॉर्ड उन्हें भारतीय सिनेमा में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया जा रहा है। इस संबंध में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक ट्वीट कर जानाकरी साझा की है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, कि मिथुन दा की उल्लेखनीय फिल्मी जर्नी कई जनरेशन को इंस्पायर करती है! अश्विनी वैष्णव ने यह भी बताया कि दादासाहब फाल्के चयनकर्ता जूरी ने अपने जमाने के मशहूर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके प्रतिष्ठित योगदान के लिए यह पुरस्कार देने का निर्णय लिया है।

यह अवॉर्ड 8 अक्टूबर को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाएगा। मिथुन चक्रवर्ती ने अपने फिल्मी केरियर की शुरुआत 1976 में आई फिल्म 'मृगया' से की थी, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला था। इसके बाद उन्होंने हिंदी, तमिल और बंगाली भाषाओं को मिलाकर कुल 350 फिल्मों में काम किया है। 1982 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'डिस्को डांसर' ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दिया था। इसी के साथ वो युवाओं के दिलों की धड़कन बन गए और इस फिल्म ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। केरियर की शुरुआत में उन्होंने छोटे रोल्स किए, फिल्म दो अंजाने, फूल खिले हैं गुलशन गुलशन ऐसी ही फिल्में थीं, जिसमें मिथुन दा कम स्क्रीन स्पेस में काम करते दिखे थे। फिर 1979 में आई लो बजट फिल्म सुरक्षा ने उन्हें एक नई पहचान दिलाने में मदद की। इसके बाद प्रेम विवाह में अहम भूमिका निभाई, हमसे बढ़कर कौन, शानदार, त्रिनेत्र, अग्निपथ, हम से है जमाना, तहादेर कथा, स्वामी विवेकानंद, जोर लगा के...हैय्या, वो जो हसीना, ऐलान, चल चलें, डिस्को डांसर, टैक्सी चोर, द कश्मीर फाइल्स जैसी अनेक हिट फिल्में दीं।

नसरल्लाह की मौत पर लखनऊ में हजारों शिया सड़कों पर उतरे, जताया शोक

लखनऊ (एजेंसी)। हिज़बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत के बाद लखनऊ में शिया समुदाय में गहरा शोक है। जैसे ही यह खबर सामने आई तो लखनऊ में आधी रात को करीब दस हजार से ज्यादा लोग सड़कों पर उतर आए और मातम करना शुरू कर दिया। शिया धर्मगुरुओं ने नसरल्लाह की मौत पर तीन दिन का शोक मानने का ऐलान किया है।

लखनऊ के पुराने शहर में हजारों लोग रात में इकट्ठा हुए और मातमी जुलूस निकाला। लोग हाथों में काले झंडे और बैनर लिए नजर आए। धार्मिक नारों के साथ शांति की अपील भी की गई। यह दृश्य न सिर्फ शिया समुदाय की भावनाओं को दर्शाता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठे भावनात्मक माहौल का एक उदाहरण है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को टाला जा सके। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

नसरल्लाह की मौत की पुष्टि हिज़बुल्लाह ने शनिवार को की थी जब इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने दावा किया कि उन्होंने हिज़बुल्लाह चीफ को मार दिया है। नसरल्लाह 1982 में लेबनान पर इजरायली आक्रमण के बाद हिज़बुल्लाह की स्थापना के समय से संगठन के साथ जुड़े हुए थे और 1992 में नसरल्लाह इसके नेता के रूप में कार्यभार संभाला। उनके नेतृत्व में हिज़बुल्लाह ने अपनी सैन्य क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया और ईरान के साथ मजबूत गठबंधन बनाए रखा। नसरल्लाह का मारा जाना हिज़बुल्लाह के लिए बड़ा झटका है, जिसने न सिर्फ संगठन के नियंत्रण को प्रभावित किया है, बल्कि उसके भविष्य की रणनीतियों पर भी गहरा असर डाला है।

प्रयागराज महाकुंभ 2025 की तैयारियों को लेकर मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने गुणवत्ता पूर्ण कार्य में तेजी लाने का सभी कर्मचारियों को दिया निर्देश

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत कराए जा रहे विभिन्न कार्यों में से कई कार्यों का औचक निरीक्षण आज मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत द्वारा किया गया उन्होंने सर्वप्रथम परेड ग्राउंड पर बनाए गए पीडब्ल्यूडी स्टोर का निरीक्षण करते हुए महाकुंभ के दृष्टिगत पांटून पुल बनाने हेतु विभाग के पास आवश्यकता के सापेक्ष स्टॉक, जिसमें बोल्ट, रोप्स, जॉइंट, पोंटून, चेकर्ड प्लेट्स इत्यादि सम्मिलित हैं, की उपलब्धता के बारे में आवश्यक जानकारी ली साथ ही स्टोर कीपर द्वारा बनाए गए स्टॉक रजिस्टर में की जा रही एंट्रीज का भी अवलोकन किया।

एंट्रीज में कई जगह त्रुटि पाए जाने पर, एंट्रीस के सापेक्ष रजिस्टर में किसी का साइन न होने पर तथा महाकुंभ के दृष्टिगत मंगवाए जा रहे स्टॉक की एंट्रीज भी संबंधित रजिस्टर पर न पाए जाने पर उन्होंने मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी को सभी पुरानी एंट्रीज को सुव्यवस्थित कराते हुए नई एंट्रीज़ डेली बेसिस पर अपडेट कराने के निर्देश दिए साथ ही सभी एंट्रीज़ का सत्यापन सीनियर विभागीय अधिकारियों से निरंतर कराने तथा स्टोर का निरीक्षण डेली बेसिस पर जेई/एई से कराने, वीकली बेसिस पर एस ई से कराने एवं माह में एक बार उनके द्वारा स्वयं करने के निर्देश दिए ।

मण्डलायुक्त ने हनुमान मंदिर कॉरिडोर के कार्यों का भी निरीक्षण किया तथा मौके पर विकास प्राधिकरण के उपस्थित अधिकारी एवं ठेकेदार से कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता संबंधित जानकारी ली कॉरिडोर स्ट्रक्चर को खड़ा करने हेतु पाइलिंग के कार्य की प्रगति धीमी पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मैन पावर बढ़ाते हुए उसे और तेजी से करने के निर्देश दिए पूछे जाने पर कि कार्यों की प्रगति अपेक्षा के अनुसार क्यों नहीं हैं, संबंधित अधिकारियों ने अवगत कराया कि कई स्थानों पर कीचड़ होने के कारण दिक्कत आ रही है।

अक्षयवट कॉरिडोर का भी औचक निरीक्षण किया गया एवं निरीक्षण के दौरान वहां पर भी कार्यों की प्रगति धीमी पाई गई लेबरों की संख्या के साथ-साथ पत्थर की नक्काशी हेतु स्पेशलाइज्ड लेबर की संख्या भी कम पाई गई इस पर उन्होंने सम्बंधित ठेकेदार एवं रक्षा विभाग के इंजीनियर को कार्यों को हर हाल में 31 अक्तूबर तक पूर्ण कराने हेतु डेली प्रगति समीक्षा करने के निर्देश दिए साथ ही उन्हें यह भी आश्वासन दिया यदि उन्हें किसी भी स्तर पर प्रशासनिक सहायता की आवश्यकता पड़ती है तो वो निसंकोच कह सकते हैं, उन्हें यथासंभव हर तरह का सहयोग मिलेगा।

महाकुंभ मेले की सन्निकटता को देखते हुए मंडलायुक्त ने सभी विभाग के अभियंताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों का अगले 3 माह के लिए व्यक्तिगत कार्यों से शहर के बाहर जाना निषिद्ध कर दिया है यदि अपरिहार्य व्यक्तिगत कार्यों से शहर के बाहर जाना हो तो अनिवार्य रूप से मेला अधिकारी की अनुमति लेनी होगी।

आप कोर्ट रूम में हैं, न कि किसी कॉफी हाउस में

सीजेआई ने या...या... शब्द इस्तेमाल करने पर वकील को फटकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एक वकील को जमकर फटकार लगाई। वकील ने अपनी दलील के बाद अनौपचारिक हां या...या... का इस्तेमाल किया, जिस पर सीजेआई नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस येचह से एलर्जी है। उन्होंने वकील को यह भी याद दिलाया कि वह कोर्ट रूम में हैं, न कि किसी कॉफी कैफे में।

लाइव लॉ के मुताबिक सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ ने सोमवार को एक वादी द्वारा उन्हें राहत न देने के लिए एक जज के खिलाफ आंतरिक जांच की मांग पर आपत्ति जताई। दरअसल, वकील एक याचिका का उल्लेख कर रहा था जिसमें उन्होंने भारत के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को प्रतिवादी के रूप में जोड़ा था। उसने राहत न देने के लिए न्यायाधीश के खिलाफ आंतरिक जांच की मांग की गई थी। वकील की दलील के बाद सीजेआई ने कहा कि आप जज को प्रतिवादी बनाकर जनहित याचिका कैसे दायर कर सकते हैं? इसमें कुछ गरिमा होनी चाहिए। आप यूं ही नहीं कह सकते कि मैं जज के खिलाफ इन-हाउस जांच चाहता हूं। जस्टिस रंजन गोगोई सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज थे। क्योंकि आप बेंच के सामने जाने में सफल नहीं हुए। माफ कीजिए, हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते।

दलील देते हुए वकील ने कहा कि हां तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई ने मुझे क्यूरेटिव दाखिल करने के लिए कहा था। चीफ जस्टिस ने उनकी बात बीच में ही काट दी और कहा यह कोई कॉफी शॉप नहीं है यहां या...या... का इस्तेमाल न करें। वकील ने आगे कहा कि न्यायमूर्ति गोगोई ने एक अवैध बयान के आधार पर उनकी सेवा समाप्ति को चुनौती देने वाली याचिका को गलत तरीके से खारिज कर दिया था और फैसले में कानून की गंभीर त्रुटियां थीं। सीजेआई ने कहा कि सही हो या गलत, सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आ चुका है। आपकी पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी गई है। अब आपको क्यूरेटिव दाखिल करना होगा, लेकिन आप कहते हैं कि आप क्यूरेटिव दाखिल नहीं करना चाहते।

सिद्धारमैया की बढ़ेगी और मुश्किलें, अब कर्नाटक सीएम के खिलाफ ईडी दर्ज कर सकता है केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुसीबत लगातार बढ़ती जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) से संबंधित धन-शोधन मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। यह मामला बेंगलुरु की एक विशेष अदालत के निर्देश के बाद राज्य की लोकायुक्त पुलिस द्वारा 27 सितंबर को सिद्धारमैया और कई अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद आया है। ईडी धन शोधन के एक मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मामला दर्ज कर सकता है।

एफआईआर में सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएम पार्वती, उनके बहनोई मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू का नाम है, जिनसे स्वामी ने जमीन खरीदी थी जो बाद में पार्वती को उपहार में दे दी गई थी। अदालत ने लोकायुक्त पुलिस को एमयूडीए से जुड़े भूमि लेनदेन के आरोपों की जांच करने का आदेश दिया था। विशेष अदालत के न्यायाधीश का आदेश उच्च न्यायालय द्वारा एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी को 14 साइटों के आवंटन में अवैधताओं के आरोपों पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता के खिलाफ जांच करने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी को बरकरार रखने के एक दिन बाद आया।

उम्मीद है कि ईडी अपनी प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) में सिद्धारमैया के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराएं लगाएगी। सूत्रों ने बताया कि संघीय एजेंसी लोकायुक्त पुलिस की एफआईआर का अध्ययन कर रही है। आपको बता दें कि ईडी को आरोपियों को पूछताछ के लिए बुलाने और यहां तक कि जांच के दौरान उनकी संपत्ति कुर्क करने का भी अधिकार है। सिद्धारमैया (76) ने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्हें एमयूडीए मामले में निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि विपक्ष उनसे डरा हुआ है और उन्होंने कहा कि यह उनके खिलाफ इस तरह का पहला 'ाजनीतिक मामला' है।

'मुस्लिम आबादी बढ़ गई, अब तुम्हारा राज खत्म हो जाएगा', योगी सरकार को सपा विधायक की चेतावनी, एफआईआर दर्ज

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश उपचुनाव से पहले समाजवादी पार्टी के नेता लगातार अपनी ताकत लगा रहे हैं। जहां समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव बेरोजगारी, पेपरलीक, अपराध और बुलडोजर कार्रवाई से संबंधित विषयों पर हर दूसरे दिन योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ भाजपा सरकार का मुकाबला कर रहे हैं। वहीं सपा नेता महबूब अली ने अपनी विवादास्पद टिप्पणी से अपनी पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। अमरोहा से विधायक महबूब अली ने यह बयान बिजनौर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए दिया, जहां उनकी विवादास्पद टिप्पणी सामने आई।

समाजवादी पार्टी के विधायक महबूब अली ने साहसिक दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बढ़ती मुस्लिम आबादी 2027 तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से बाहर कर देगी। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री ने योगी आदित्यनाथ प्रशासन को चेतावनी जारी करने के लिए बढ़ती मुस्लिम आबादी का इस्तेमाल किया। रैली के दौरान अली ने कहा कि राज्य में मुस्लिम आबादी बढ़ी है और इसके परिणामस्वरूप बीजेपी का शासन खत्म हो जाएगा। उन्होंने आगे भारत पर 800 साल तक चले मुगल शासन का जिक्र करते हुए कहा कि अगर मुगल शासन खत्म हो गया तो उत्तर प्रदेश में बीजेपी कब तक सत्ता में रहेगी?

इसके बाद विधायक ने भविष्यवाणी की कि 2027 तक योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश की सत्ता से बाहर हो जाएंगे। बिजनौर में संविधान सम्मान सभा को संबोधित करते हुए महबूब अली ने मोदी सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने सरकार पर रेलवे, दूरसंचार, एलआईसी और हवाई अड्डों सहित सब कुछ बेचने का आरोप लगाया। विधायक ने कहा कि जनता को अब सच्चाई का एहसास हो गया है और भाजपा सत्ता में नहीं लौटेगी। अली ने आगे भाजपा पर संविधान के खिलाफ होने का आरोप लगाया और दावा किया कि पार्टी आरक्षण का विरोध करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाजवादी पार्टी संविधान के सिद्धांतों को बरकरार रखती है। सपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में कानून का राज नहीं रह गया है।

एक कार्यक्रम में अपने सार्वजनिक संबोधन के दौरान महबूब अली द्वारा दिए गए कथित बयान के संबंध में कोतवाली सिटी पीएस में एसपी विधायक महबूब अली और बिजनौर एसपी प्रमुख शेख जाकिर हुसैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में कहा गया है कि विधायक ने 'धर्म के आधार पर हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा देने वाला' बयान दिया। सीओ सिटी सर्वम सिंह ने कहा कि आपत्तिजनक टिप्पणी को बढ़ावा देने वाले एक वायरल वीडियो के मामले में आज कोतवाली सिटी पीएस में एफआईआर दर्ज की गई है। आगे की जांच चल रही है।

संक्षिप्त समाचार

नसरल्ला का मारा जाना इजराइल के लिए ''आवश्यक शर्त'' बन गई थी : नेतन्याहू

येरूशलम, एजेंसी। नसरल्ला की मौत के बाद अपने पहले सार्वजनिक वक्तव्य में नेतन्याहू ने कहा कि अन्य शीर्ष हिजबुल्ला कमांडरों का मारा जाना पर्याप्त नहीं था, इसलिए उन्होंने निर्णय लिया कि नसरल्ला को भी मारना होगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कहा कि हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला का मारा जाना इजराइल के लिए अपने युद्ध लक्ष्यों को हासिल करने के वास्ते ''आवश्यक शर्त'' बन गई थी। नसरल्ला की मौत के बाद अपने पहले सार्वजनिक वक्तव्य में नेतन्याहू ने कहा कि अन्य शीर्ष हिजबुल्ला कमांडरों का मारा जाना पर्याप्त नहीं था, इसलिए उन्होंने निर्णय लिया कि नसरल्ला को भी मारना होगा। उन्होंने नसरल्ला को इजराइल के विनाश की योजना का निर्माता बताया।

विदेश विभाग ने कुछ अमेरिकी राजनयिकों के परिवारों को लेबनान छोड़ने का आदेश दिया

वाशिंगटन, एजेंसी। विदेश विभाग ने शनिवार को एक बयान में कहा, बेरूत में हवाई हमलों के बाद बढ़ी अस्थिरता और पूरे लेबनान में अस्थिर सुरक्षा स्थिति के कारण अमेरिकी दूतावास अमेरिकी नागरिकों से लेबनान छोड़ने का आग्रह करता है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शनिवार को अपने उन राजनयिकों के परिवारों को लेबनान छोड़ने का आदेश दिया है, जो बेरूत स्थित दूतावास द्वारा नियुक्त नहीं हैं। इसने साथ ही दूतावास के गैर-जरूरी कर्मचारियों को भी वहां जाने की अनुमति दे दी। यह निर्णय लेबनान की राजधानी में अस्थिर सुरक्षा स्थिति के कारण लिया गया है। यह कदम इजराइली हमले में चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला नेता की मौत के बाद उठाया गया है, जिससे इजराइल और हिज्बुल्ला के बीच संघर्ष और तेज हो गया। विदेश विभाग ने शनिवार को एक बयान में कहा, बेरूत में हवाई हमलों के बाद बढ़ी अस्थिरता और पूरे लेबनान में अस्थिर सुरक्षा स्थिति के कारण अमेरिकी दूतावास अमेरिकी नागरिकों से लेबनान छोड़ने का आग्रह करता है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों के लिए स्पेसएक्स का बचाव अभियान

वाशिंगटन, एजेंसी। झनासा अंतरिक्ष स्टेशन के कर्मचारियों को लगभग हर छह महीने में बदलता है, इस नई उड़ान में विलमोर और विलियम्स के लिए दो खाली सीटें हैं और यह फरवरी के अंत में वापस आएगी। स्पेसएक्स ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों के लिए शनिवार को एक बचाव अभियान शुरू किया है, जिसके तहत उन्हें धरती पर वापस लाने के लिए एक छोटा दल भेजा गया है, लेकिन यह अभियान अगले साल तक पूरा हो सकेगा। नासा के निक हेग और रूस के अलेक्जेंडर गोरबुनोव को बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को वापस लाने का काम सौंपा गया था। चूंकि नासा अंतरिक्ष स्टेशन के कर्मचारियों को लगभग हर छह महीने में बदलता है, इस नई उड़ान में विलमोर और विलियम्स के लिए दो खाली सीटें हैं और यह फरवरी के अंत में वापस आएगी।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजराइली हमले में हिज्बुल्ला प्रमुख की मौत को न्यायोचित ठहराया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला की मौत को उसके चार दशक के आतंक के शासन से मुक्ति का एक तरीका बताया। बाइडन ने बताया कि नसरल्ला को निशाना उस संघर्ष के व्यापक परिप्रेक्ष्य में बनाया गया, जो सात अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा इजराइलियों के नरसंहार के साथ शुरू हुआ था। बाइडन ने एक बयान में कहा, ''(उस हमले के) अगले दिन नसरल्ला ने हमास के साथ हाथ मिलाने और इजराइल के खिलाफ उत्तरी मोर्चा खोलने का दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय लिया। उन्होंने यह भी कहा कि नसरल्ला के नेतृत्व में हिजबुल्ला हजारों अमेरिकियों की मौत के लिए जिम्मेदार है।

दक्षिण अफ्रीका : सामूहिक गोलीबारी में 17 लोगों की मौत

केपटाउन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी केप प्रांत में 17 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पूर्वी केप प्रांतीय सरकार ने एक बयान में कहा कि यह विनाशकारी घटना शनिवार की सुबह लुसिकिसिकी शहर में घटित हुई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सर्विस (एसएपीएस) की राष्ट्रीय प्रवक्ता एथलेंडा माथे ने एक बयान में कहा, एक घर में 13 लोग मारे गए, जिनमें 12 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। एक अन्य घर में भी चार लोग मारे गए। मैथे ने कहा, 18वें पीड़ित की हालत अस्पताल में गंभीर है। कुल 15 महिलाएं और दो पुरुष मारे गए। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सर्विस ने इन क्रूर हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। हम अपने समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा, प्रवक्ता ने शिन्हुआ को बताया कि पुलिस ने सबूत इकट्ठा करने के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट और जासूसों की एक टीम को तैनात किया है जो मामले को सुलझाने में मदद करेगी। प्रांतीय सरकार के बयान में, पूर्वी केप के प्रीमियर ऑस्कर मबुयाने ने घटना में हिंसा के मूर्खतापूर्ण कृत्यों की कड़े शब्दों में निंदा की।

हिजबुल्लाह ने नए चीफ बने हाशिम सफीद्दीन, भाई नसरल्लाह की मौत के बाद मिली कमान

बेरुत, एजेंसी। हसन नसरल्लाह के मारे जाने के बाद हिजबुल्लाह ने अपने नए प्रमुख का ऐलान कर दिया है. हाशिम सफीद्दीन अब उनकी जगह लेंगे. सफीद्दीन की गिनती नसरल्लाह और नईम कासिम के साथ हिजबुल्लाह के टॉप थ्री नेताओं में होती थी. सफीद्दीन को साल 2017 में संयुक्त राज्य अमेरिका ने आतंवादी घोषित किया गया था. वह हिजबुल्लाह के राजनीतिक मामलों की देखरेख करता है और समूह की जिहाद परिषद का सदस्य है.

ईरान से हैं बेहतर संबंध : बताया जाता है कि सफीद्दीन के ईरान से भी अच्छे संबंध हैं. उनके बेटे की शादी ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के पूर्व कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी की बेटी से हुई है. इजरायल ने की ओर से बेरूत में किए गए एयर स्ट्राइक में हसन नसरल्लाह की मौत के बात इजरायली मीडिया में ये भी कहा जा रहा है कि जिस वक्त नसरल्लाह पर हमला हुआ, उस वक्त हाशेम साफीद्दीन भी उनके साथ मौजूद थे, लेकिन किस्मत से वो जिंदा बच गए. सफीद्दीन कदकाठी रूप से अपने चचेरे भाई नसरल्लाह से मिलता-जुलता है. 1964 में दक्षिणी लेबनान के डेर क़ानून अल-नहर में जन्मे सफीद्दीन को 1990 के दशक से नसरल्लाह का उत्तराधिकारी नियुक्त किया गया था. जिस वक्त नसरल्लाह ने हिजबुल्लाह के चीफ का पद संभाला, उसके दो साल बाद ही साफीद्दीन को बेरूत वापस बुलाया गया था.

32 साल से संगठन का चीफ था नसरल्लाह : इजरायल ने शुक्रवार (27 सितंबर 2024) को लेबनान के राजधानी बेरूत पर एयर स्ट्राइक किया था, जिसमें हिजबुल्लाह चीफ मारा गया था. जिस ऑपरेशन के तहत हसन नसरल्लाह मारा गया उसका नाम न्यू आर्डर था. वह 32 साल से संगठन का चीफ था. हसन नसरल्लाह को साल 2006 में इजरायल के डर से छिपा पड़ा था, उस समय हाशिम सफीद्दीन ही सार्वजनिक रू से दिखाई देता था. इजरायल के हत्या के डर के कारण वर्षों तक छिपे रहे हसन नसरल्लाह सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए, लेकिन शनिवार को इजरायल ने उन्हें मार गिराया। वे करीब 18 वर्षों से अंडरग्राउंड थे और वीडियो संदेश के जरिए ही लोगों के सामने आते रहते थे। हिजबुल्लाह ने भी अपने नेता की मौत की पुष्टि कर दी है। आतंकी समूह ने कहा कि उसके नेता नसरल्लाह की दक्षिणी उपनगर में हुई एक हमले के दौरान मौत हुई। बयान में कहा गया, महामहिम, प्रतिरोध के गुरु, धर्मी सेवक अल्लाह के पास चले गए। कौन हैं हाशेम साफीद्दीन रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, हाशेम नसरल्लाह के चचेरा भाई हैं और एक मौलवी भी जो हर वक्त काली पगड़ी पहनते हैं। हाशेम खुद को इस्लाम के पैगम्बर मोहम्मद के वंशज का दावा भी करते हैं। होने वह समूह की जिहाद परिषद में भी काम करते हैं। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ईरान हिजबुल्लाह को कंट्रोल करता है और हाशेम की पढ़ाई ईरान में हो चुकी है। इसलिए उनके ईरान से घनिष्ठ संबंध हैं। ऐसे में हाशेम की ताजपोशी पक्की मानी जा रही है। कुख्यात आतंकवादी हाशेम कार्यकारी परिषद के प्रमुख हैं और हिजबुल्लाह के राजनीतिक मामलों की देखरेख करते हैं। यह जिहाद काउंसिल से भी संबंधित है, जो समूह के सैन्य अभियानों का प्रबंधन करती है। 2017 में अमेरिकी विदेश विभाग ने हाशेम को आतंकवादी घोषित किया। वह एक बाद इजरायली हमले में बाल-बाल बच चुका है। हिजबुल्लाह चीफ बन जाने से हाशेम इजरायल का नए और मुख्य टारगेट हो सकते हैं। सफीददीन के सार्वजनिक बयानों से आमतौर पर हिजबुल्लाह की उग्रवादी स्थिति और फिलिस्तीन मुद्दे पर उनके स्पष्ट रुख का पता चलता है। बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हिजबुल्लाह के गढ़ दहिएह में हाल ही में एक कार्यक्रम में, उन्होंने फिलिस्तीनी लड़ाकों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए कहा, हमारा इतिहास, हमारी बंदूकें और हमारे रॉकेट आपके साथ हैं।

इजरायल का दावा - हिजबुल्लाह का एक टॉप कमांडर भी मारा गया

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल ने दावा किया है कि उसने शनिवार को बेरूत के दक्षिणी शहर में हवाई हमले में हिजबुल्लाह के एक शीर्ष खुफिया कमांडर को भी मार गिराया। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि हसन खलील यासीन हिजबुल्लाह के खुफिया विभाग की एक इकाई का नेतृत्व कर रहा था। उसे इजरायल में इजरायली सैन्य और नागरिक स्थलों का पता लगाने का काम सौंपा गया था। सेना ने दावा किया कि यासीन हिजबुल्लाह मिसाइल और ड्रोन इकाइयों के साथ मिलकर काम करता था और युद्ध की शुरुआत से ही नागरिकों और सैनिकों के खिलाफ किए गए आतंकी साजिशों में व्यक्तिगत रूप से शामिल था। उसने आने वाले दिनों में यहूदी राष्ट्र पर अतिरिक्त हमलों की भी योजना बनाई थी। आपको बता दें कि इजरायल द्वारा उसके खात्मे की खबर हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह के बेरूत पर इजरायली हवाई हमले में मारे जाने के कुछ घंटों बाद आई है। आईडीएफ ने हमलों में उसकी मौत की खबर की पुष्टि करते हुए कहा, हसन नसरल्लाह अब दुनिया को आतंकित नहीं कर पाएगा। नसरल्लाह की मौत की खबर के बाद ईरान में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शनकारियों ने मारे गए हिजबुल्लाह नेता के चित्र लिए हुए थे और बदला लो, इज़राइल मुर्दाबाद और अमेरिका मुर्दाबाद जैसे नारे भी लगाए। हिजबुल्लाह के इज़रायल के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तत्काल बैठक बुलाने का भी आह्वान किया है। लेबनान ने नसरल्लाह की मौत के बाद तीन दिवसीय शोक की घोषणा की है। नसरल्लाह की हत्या की घोषणा के तुरंत बाद इजरायल के कई हिस्सों में सायरन बजाए गए। लेबनान द्वारा दागा गया एक मिसाइल इज़रायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक क्षेत्र में जा गिरा, लेकिन किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली। यरुशलम के बाहरी इलाके में हवाई हमले के सायरन भी बजाए गए। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने नसरल्लाह की हत्या को ऐतिहासिक मोड़ बताया। उन्होंने दावा किया कि उनके देश ने अनगिनत इज़रायलियों और कई अमेरिकी और फ्रांसीसी नागरिकों की हत्याओं के लिए जिम्मेदार एक हत्यारे से अपना हिसाब चुकता कर लिया है।

प्रिंसेस डायना पर पूर्व हेयर ड्रेसर के संस्मरण में नया खुलासा; वान गॉग की पेंटिंग पर फेंका गया सूप

लंदन, एजेंसी। राजकुमारी डायना के हेयर ड्रेसर ने प्रिंस हैरी और उनके राइडिंग इंस्ट्रक्टर जेम्स हेविट से जुड़े विवाद पर अपनी राय दी है। कई सालों से चल रही अफवाहों और अटकलों के बाद कि प्रिंस हैरी के जैविक पिता किंग चार्ल्स नहीं बल्कि उनके राइडिंग इंस्ट्रक्टर जेम्स हेविट हैं, एक नए संस्मरण ने उनके रिश्ते की प्रकृति पर कुछ प्रकाश डाला है। कई सालों से, हेविट और हैरी के बीच कुछ समानताएं - दोनों के बाल के रंग और झाइयां - ऐसी अफवाहों को जन्म देती रही हैं। डायना के हेयर ड्रेसर रिचर्ड डाल्टन ने अब इस विवाद पर अपनी राय दी है और यहा तक कि एक नए संस्मरण, इट्स ऑल अबाउट द हेयर में दिवंगत राजकुमारी के साथ अपनी दोस्ती के बारे में भी विस्तार से बताया है। डाल्टन ने एक समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा कि यह संभव नहीं है। यह मुश्किल था, हैरी का जन्म हेविट के साथ उनके रिश्ते से कुछ समय पहले ही हो चुका था। और मुझे नहीं लगता कि यह संभव है। अपने बयान का समर्थन करने के लिए, डाल्टन ने दावा किया कि राजकुमारी डायना के भाई और बहन के भी चमकीले लाल बाल थे। हैरी और स्पेंसर परिवार के बाल लाल हैं। डायना के भाई चार्ल्स के बाल कॉलेज में रहते समय चमकीले लाल थे। उन्होंने कहा कि डायना की बहन सारा के भी चमकीले लाल बाल हैं।

चीन में सीवेज पाइप में हुआ धमाका, 33 फीट हवा में उड़ी गंदगी, सड़क पर फैला मल-मूत्र

नाननिंग, एजेंसी। तकनीक और इन्फ्रास्ट्रक्चर के माने में चीन का लोहा माना जाता है। चीन के नाननिंग शहर में कुछ ऐसा हुआ कि लोगों को इंसानी मल से नहाना पड़ गया। दरअसल यहां मल-मूत्र की एक पाइपलाइन हाई प्रेशर की वजह से फट गई। हाइवे के बीचोबीच पाइप फटने से इतनी प्रेशर से गंदगी ऊपर की ओर उछ्ली की काफी दूर तक फैल गई। आसपास जो भी लोग थे वे गंदगी मे भीग गए। कार और अन्य वाहनों पर मल-मूत्र फैल गया।

एक शख्स ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, चारों तक मल ही मल फैल गया। नाननिंग में सीवेज पाइप की प्रेशर टेस्टिंग के दौरान यह हुआ। देखा जा सकता है कि किस तरह से आसमान से मल गिर रहा है। जानकारी के मुताबिक इस सीवेज लाइन को हाल ही में बनाया गया था। घटना 24 सितंबर सुबह 11 बजे के करीब की है। इस पाइप को लेकर कुछ काम किया जा रहा था।

बताया गया कि इंजीनियर सीवेज लाइन का प्रेशर टेस्ट कर रहे थे। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। घटना के बाद तुरंत संबंधित अधिकारी और कर्मचारी वहां पहुंचे। इसके बाद साफ-सफाई का अभियान शुरू किया गया। एक शख्स ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं मल में पूरी तरह भीग गया। मेरी कार का शीशा पीला हो गया। सब बर्बाद हो गया।

इस वीडियो को लेकर भी लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ लोग चीन में भ्रष्टाचार की भी बात कह रहे हैं। उनका कहना है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की

अंधी दौड़ में चीन टिकाऊ काम करना भूल गया है। कुछ लोगों ने स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा, इस तरह से सीवर फटने से बीमारियां फैल सकती हैं। खतरनाक बैक्टीरिया अपना असर दिखाने लगेंगे।

द मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, यह भयावह घटना उस समय हुई जब निर्माण कार्य में लगे कर्मचारी नई स्थापित सीवेज पाइप पर दबाव परीक्षण कर रहे थे. सीवेज पाइप में अचानक विस्फोट होने से कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए. हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ. विस्फोट के बाद अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया. हालांकि, नाननिंग नगरपालिका अधिकारियों ने इस बात से इनकार किया कि यह विस्फोट निर्माण के दौरान हुई दुर्घटनावश क्षति के कारण हुआ. ड्राइवर ने कहा कार पीले रंग की हो गई एक ड्राइवर ने स्थानीय पत्रकारों से कहा, मेरी कार पीले रंग की हो गई है और उसमें से बदबू आ रही है. मैं इसका इस्तेमाल जारी नहीं रख सकता. एक अन्य नाराज ड्राइवर ने कहा, मैं मल से भीग गया हूं. सोशल मीडिया पर यूजर्स ने इस घटना पर खूब मजाक उड़ाया और एक्स पर कई मीम्स और मजाकिया टिप्पणियां की।

राष्ट्रपति के बाद अब उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों में होगी बहस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में अब कुछ सप्ताह का ही समय बचा है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच बहस हो चुकी है। अब उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों जेडी वेंस और टिम वाल्ज की बीच भी बहस होने जा रही है। अगले हफ्ते होने वाली इस बहस पर अमेरिका समेत पूरी दुनिया की नजरें हैं। दोनों उम्मीदवारों के पास यह अहम मौका है, जब वह मतदाताओं को अपने पक्ष में लुभा सकें और देश के विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय जनता के सामने रख सकें।

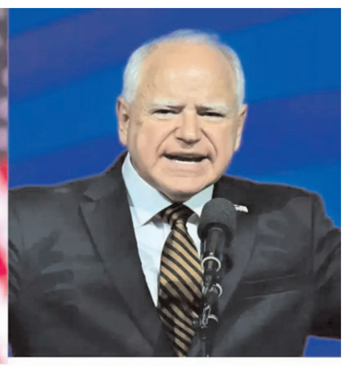

कब और कहां होगी बहस : जेडी वेंस और टिम वाल्ज के बीच 90 मिनट बहस होगी, जिसका आयोजन सीबीएस न्यूज द्वारा किया जा रहा है। यह बहस स्थानीय समय अनुसार 1 अक्तूबर को रात नौ बजे न्यूयॉर्क शहर में होगी। बहस की मध्यस्थता सीबीएस न्यूज के एंकर नोरा ओ डोनेल मार्ग्रेट ब्रेनन करेंगे। दोनों नेताओं की बहस का सीबीएस नेटवर्क पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। इससे पहले एबीसी न्यूज पर बीती 10 सितंबर को डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस की बहस का प्रसारण किया गया था। उस बहस को 6.7 करोड़ लोगों ने टेलीविजन पर देखा गया था।

टिम वाल्ज बनाम जेडी वेंस होगा मुकाबला उपराष्ट्रपति पद की बहस के दौरान कोई दर्शक नहीं होंगे। बहस के दौरान दोनों उम्मीदवार अपने पास लिखित नोट नहीं रख पाएंगे। बहस का आयोजन करने वाले चैनल सीबीएस के पास उम्मीदवारों के माइक्रोफोन बंद करने का अधिकार होगा। डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के दावेदार और मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज मुफ्त स्कूल भोजन, मध्यम वर्ग के लिए कर कटौती और श्रमिकों के लिए विस्तारित सवेतन छुट्टी जैसे वादे कर रहे हैं। वाल्ज़, जो एक पूर्व हाई स्कूल शिक्षक और फुटबॉल कोच भी हैं, उन्होंने ने ट्रम्प और वेंस को डरावना और अजीब कहकर खारिज कर दिया है।

वहीं रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और ओहायो से अमेरिकी सीनेटर जेडी वेंस अपनी पार्टी का पक्ष रखेंगे। 40 वर्षीय वेंस अपनी भड़काऊ बयानबाजी के लिए जाने जाते हैं। साल 2021 में हैरिस और अन्य डेमोक्रेट्स को निःसंतान बिल्ली महिलाओं के समूह के रूप में संदर्भित करने और ओहायो के शहर स्प्रिंगफील्ड में हैती प्रवासियों द्वारा पालतू जानवरों को खाने के दावे को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई थी। प्रचार अभियान के दौरान जेडी वेंस, वाल्ज और हैरिस को कट्टरपंथी उदारवादी के रूप में चित्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने टिम वाल्ज के सैन्य रिकॉर्ड पर भी सवाल उठाए थे।

यूक्रेन युद्ध - अमेरिका की अपील- उत्तर कोरिया, चीन और ईरान पर रूस की मदद न करने का डालना होगा दबाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यूक्रेन में रूस के युद्ध को समर्थन देना बंद करने के लिए उत्तर कोरिया, चीन और ईरान पर दबाव डालने के लिए संयुक्त कोशिश करने की अपील दोहराई। उन्होंने युद्धग्रस्त देश में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति लाने की आवश्यकता पर बल दिया। ब्लिंकन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बयान दिया। योनहाप समाचार एजेंसी ने बताया कि वह संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च-स्तरीय सप्ताह में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क में थे।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, मंगलवार को सुरक्षा परिषद में, अधिकांश देशों ने रूस के क्रूर युद्ध की निंदा की और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के आधार पर न्यायपूर्ण एवं स्थायी शांति का आह्वान किया। ब्लिकंन ने कहा, महत्वपूर्ण यह है कि ईरान, उत्तर कोरिया और परिषद के स्थायी सदस्य चीन पर दबाव डाला जाए कि वे रूस हथियार, तोपखाना, मशीनरी और अन्य मदद देना बंद करें, जिसका इस्तेमाल पुतिन यूक्रेनी घरों, ऊर्जा ग्रिडों और बंदरगाहों को नष्ट करने के लिए कर रहे हैं। ब्लिंकन ने बताया कि यूक्रेन के लिए अंतर्राष्ट्रीय समर्थन केवल बयानबाजी नहीं है, बल्कि वास्तविक है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह, दर्जनों देश युद्ध से तबाह हुए यूक्रेन को फिर से खड़ा करने में मदद करने के लिए एक साथ आए, जबकि ग्रुप ऑफ सेवन देशों और अन्य ने यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त प्रतिबद्धताएं व्यक्त कीं।

ब्लिंकन ने सोमवार को दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री चो ताए-युल और जापानी विदेश मंत्री योको कामिकावा के साथ अपनी त्रिपक्षीय बातचीत का ज़िक्र किया - यह बैठक तीन-तरफ़ा सहयोग को संस्थागत बनाने के संयुक्त प्रयासों पर केंद्रित थी। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, जापान और दक्षिण कोरिया के अपने समकक्षों के साथ, हमने अपने त्रिपक्षीय सहयोग को संस्थागत बनाने के लिए कदम उठाए। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए एक त्रिपक्षीय सचिवालय बनाने की हमारी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

नेपाल में भूस्खलन और बाढ़ ने मचाई तबाही, 66 लोगों की मौत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। गृह मंत्रालय की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार 66 लोगों की मौत और 60 अन्य लोगों के घायल होने की खबर है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी ने शनिवार को अपने एक बयान में कहा कि 69 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा नुकसान काठमांडू घाटी में हुआ है। यहां 34 लोगों की मौत हुई है। साथ ही तिवारी ने दावा किया है कि सुरक्षा बलों ने 3 हजार से अधिक लोगों को बचाया है। सरकार ने घायलों को मुफ्त इलाज और इस तबाही में अपने सिर से छत गंवा चुके लोगों के लिए जल्द से जल्द पुनर्वास का काम शुरू करने का फैसला लिया है।

उन्होंने आगे कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में कई राजमार्ग और पुल भी नष्ट हो गए हैं। राजमार्गों को साफ करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। नेपाल पुलिस ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण देश के बाकी हिस्सों से काठमांडू से जोड़ने वाले राजमार्गों सहित लगभग सभी राजमार्ग पर आवागमन ठप है। भूस्खलन की वजह से काठमांडू के सभी प्रवेश मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं।

नेपाल के शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस बीच सभी राज्य सरकारों से रविवार से तीन दिन के लिए स्कूल बंद रखने और मंगलवार तक निर्धारित सभी विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षाओं को स्थगित करने का अनुरोध किया है। नेपाल में इस वर्ष मानसून के दौरान औसत से अधिक वर्षा हुई है। उफनती नदियों के कारण काठमांडू के कुछ हिस्सों में पानी भर गया

है। कई घर पानी में डूब गए हैं और लोगों को ऊपरी मंजिल पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। शहर के दक्षिणी हिस्से का एक बड़ा इलाका ज्यादातर बाढ़ग्रस्त था और चार लोगों को लेने के लिए सेना के हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया था। ये लोग अपने घर छोड़ने में असमर्थ थे। काठमांडू के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति और इंटरनेट सेवा काफी समय तक बाधित रही।

गुरुवार से ही नेपाल के कई हिस्सों में बारिश हो रही है। नेपाल पुलिस के उप प्रवक्ता बिश्वो अधिकारी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण देशभर में मारे गए 66 लोगों में से 34 की मौत काठमांडू घाटी में हुई। बाढ़ में 60 लोग घायल भी हुए हैं। देशभर में कुल 79 लोग लापता हैं। जिनमें से काठमांडू घाटी में 16 लोगों का पता नहीं चल पाया है।

दीर्घ जीवन यानी वार्धक्य दीर्घ अभिशाप न बने

(लेखक - ललित गर्ग)

हम पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में वृद्धों को सम्मान दें, इसके लिये सही दिशा में चले, सही सोचें, सही करें। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति की जरूरत है और इसी के लिये एक अक्टूबर को सम्पूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया जाता है। समाज और नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाने और मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सम्मान देने के लिए इस आयोजन का फैसला संयुक्त राष्ट्र ने 1990 में लिया था। इस दिन पर वरिष्ठ नागरिकों और बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है। वरिष्ठों के हित के लिए चिन्तन भी होता है। प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि हम पतन के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, उसकी आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। सुधार की संभावना हर समय है।

वृद्ध व्यक्तियों को सुखद एवं खुशहाल जीवन प्रदत्त करने के लिये हमें सर्वप्रथम तो उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाने पर ध्यान देना होगा। बेसहारा वृद्ध व्यक्तियों के लिए सरकार की ओर से आवश्यक रूप से और सहज रूप मे मिल सकने वाली पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था की जानी चाहिए। ऐसे वृद्ध व्यक्ति जो शारीरिक और मानसिक दृष्टि से स्वस्थ हैं, उनके लिए समाज को कम परिश्रम वाले हल्के-फुल्के रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए। वृद्धों के कल्याण के कार्यक्रमों को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए, जो उनमें जीवन के प्रति उत्साह उत्पन्न करे। अधिकांश युवाओं की सोच इस रूप में पुख्ता हो जाती है कि संयुक्त परिवार व्यक्तिगत उन्नति में बाधक होते हैं। चीजों की ललक में स्वहित इतने हावी हो जाते हैं कि संवेदनहीनता मानवीय रिश्तों की महक को क्षण में काफूर कर देती है और तन्हा बुढ़ापा घुटनभरी सांसों के साथ जीने को बाध्य हो जाता है। हमें समझना होगा कि अगर समाज के इस अनुभवी स्तंभ को यूं ही नजरअंदाज किया जाता रहा तो हम उस अनुभव से भी दूर हो जाएंगे, जो इन लोगों के पास है। वृद्ध दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उन्हें परिवार में सम्मानजनक जीवन देंगे, उनके शुभ एवं मंगल की कामना करेंगे। आज का वृद्ध समाज-परिवार से कटा रहता है और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमितय न समझे जाने के कारण हमारा वृद्ध समाज दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। वृद्ध समाज को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरुरत है। आज हम बुजुर्गों एवं वृद्धों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के साथ-साथ समाज में उनको उचित स्थान देने की कोशिश करें ताकि उम्र के उस पड़ाव पर जब उन्हे प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वो जिंदगी का पूरा आनंद ले सके। वृद्धों को भी अपने स्वयं के प्रति जागरूक होना होगा, जैसाकि जेम्स गारफील्ड ने कहा भी है कि यदि वृद्धावस्था की झूर्रियां पड़ती है तो उन्हें हृदय पर मत पड़ने दो। कभी भी आत्मा को वृद्ध मत होने दो।'

प्रश्न है कि आज हमारा वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है? अपने को समाज में एक तरह से निष्प्रयोज्य समझे जाने के कारण वह सर्वाधिक दुःखी रहता है। वृद्ध समाज को इस दुःख और संत्रास से छुटकारा दिलाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की बहुत आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस मनाने का निर्णय लिया। वृद्धों की समस्या पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में सर्वप्रथम अर्जेंटीना ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया था। तब से लेकर अब तक वृद्धों के संबंध में अनेक गोष्ठियां और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हो चुके हैं। वर्ष 1999 को अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग-वर्ष के रूप में भी मनाया गया। इससे पूर्व 1982 में 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' ने 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' जैसा नारा दिया और 'सबके लिए स्वास्थ्य' का अभियान प्रारम्भ किया गया।

एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता है. यानि वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है, यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है, जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप।' वृद्ध जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दे।

एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता है. यानि वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है, यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है, जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप।' वृद्ध जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दे।

वृद्धावस्था जीवन का अनिवार्य सत्य है। जो आज युवा है, वह कल बूढ़ा भी होगा ही, लेकिन समस्या की शुरुआत तब होती है, जब युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों को उपेक्षा की निगाह से देखने लगती है और उन्हें अपने बुढ़ापे और अकेलेपन से लड़ने के लिए असहाय छोड़ देती है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। इसीलिये सिसरो ने कामना करते हुए कहा था कि जैसे मैं वृद्धावस्था के कुछ गुणों को अपने अन्दर समाविष्ट रखने वाला युवक को चाहता हूं, उतनी ही प्रसन्नता मुझे युवाकाल के गुणों से युक्त वृद्ध को देखकर भी होती है, जो इस नियम का पालन करता है, शरीर से भले वृद्ध हो जाए, किन्तु दिमाग से कभी वृद्ध नहीं हो सकता।' वृद्ध लोगों के लिये यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं।

बड़े शहरों में परिवार से उपेक्षित होने पर बूढ़े-बुजुर्गों को 'ओल्ड होम्स' में शरण मिल भी जाती है, पर छोटे कस्बों और गांवों में तो ठुकराने, तरसाने, सताए जाने पर भी आजीवन घुट-घुट कर जीने की मजबूरी होती है। यद्यपि 'ओल्ड होम्स' की स्थिति भी ठीक नहीं है। पहले जहां वृद्धाश्रम में सेवा-भाव प्रधान था, पर आज व्यावसायिकता की चोट में यहां अमीरों को ही प्रवेश मिल पा रहा है। ऐसे में मध्यमवर्गीय परिवार के वृद्धों के लिए जीवन का उत्तरार्द्ध पहाड़ बन जाता है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं महिला वृद्ध एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। पर कौन सोचता है, किसे फर्सत है, वृद्धों की फिक्र किसे हैं? भौतिक जिंदगी की भागदौड़ में नई पीढ़ी नए-नए मुकाम ढूंढने में लगी है, आज वृद्धजन अपनो से दूर जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर कवीन्द्र-रवीन्द्र की पंक्तियां गुनगुनाने को क्यों विवश है-'दीर्घ जीवन एकटा दीर्घ अभिशाप', दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

फिर सुलगती पराली

खेतों में धान की बालियों की कटाई के बाद खड़े-बचे सूखे पौधों अर्थात पराली को जलाने का घातक क्रम फिर शुरू हो गया है। उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में इस मौसम में वायु प्रदूषण का घना प्रकोप रहता है और एक समय ऐसा आ जाता है, जब घर से बाहर निकलने में भी परेशानी होने लगती है। अभी अक्तूबर का महीना शुरू भी नहीं हुआ है, पर खेतों को जल्दी से जल्दी गेहूं की फसल के लिए तैयार करने की होड़ में पंजाब-हरियाणा के किसान फिर खेतों में आग लगाने पर आमादा हैं। ऐसे में, प्रशंसनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने समय रहते संज्ञान लिया है और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के कामकाज को लेकर नाराजगी जताई है। न्यायालय ने कहा कि पराली जलाने से निपटने के लिए आयोग को एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। आयोग अपने आदेशों को जमीन पर उतारने में बहुत हद तक नाकाम रहा है। ऐसे में, न्यायालय की नाराजगी सराहनीय व स्वागत के योग्य है। संज्ञान में यह बात भी आई है कि पिछले साल की तुलना में इस बार ज्यादा मात्रा में पराली दहन हो रहा है। न्यायाधीश अभय एस ओका की अध्यक्षता वाली पीठ ने साफ कहा है कि आयोग ने कुछ कदम उठाए है, पर और ज्यादा सक्रिय होने की जरूरत है। आप मूकदर्शक के रूप में काम कर रहे हैं। आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके प्रयास और निर्देश वास्तव में प्रदूषण को घटा सकें। आयोग की जितनी बैठकें होनी चाहिए, उतनी नहीं हो रही हैं। आयोग ने प्रदूषण की रोकथाम के लिए 82 निर्देश जारी किए हैं, पर यह सुनिश्चित नहीं किया कि सभी निर्देशों की पालना हो। आयोग को अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने, प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को बंद करने और उसके आदेशों का पालन न करने पर मुआवजा चुकाने का निर्देश देने का अधिकार है। अगर विभिन्न राज्यों में प्रदूषण की रोकथाम से संबंधित अधिकारियों ने आदेशों-निर्देशों को नहीं माना है, तो उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने की तकलीफ आयोग ने नहीं उठाई है। ऐसे में, सर्वोच्च न्यायालय ने दो टूक पूछा है कि अगर आयोग अपने निर्देशों की पालना नहीं करा पा रहा है, तो उसके निर्देशों का क्या महत्व है? अच्छे नेता, अच्छी संस्था, अच्छे निर्देश-आदेश का लाभ अगर प्रदेश-देश को न मिले, तो यह अफसोस और दुख की बात है। पराली दहन पर अनेक सरकारों का रुख लोग देख चुके हैं और इस मोर्चे पर शासन-प्रशासन की नाकामी किसी से छिपी नहीं है। पराली जलाने से रोकने की दिशा में राज्य सरकारों के प्रयास कतई पर्याप्त नहीं हैं। पराली जलाने का दुखद दौर सितंबर से लेकर जनवरी तक चलता है। किसान तमाम अपील और चिंताओं को नकारकर पैसे बचाने के प्रति ज्यादा आग्रही होते हैं, जबकि स्वयं उन्हें भी अपने स्वास्थ्य की चिंता होनी चाहिए। ऐसे किसानों को समय रहते सर्वोच्च न्यायालय की चिंता पर भी ध्यान देना चाहिए। पिछले साल भी न्यायालय ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि फसल अवशेष जलाने के क्रम को तत्काल रोका जाए, हम लोगों को मरने नहीं दे सकते। राज्यों को भी एक-दूसरे पर दोष मढ़कर पीछा छुड़ाने की राजनीति से बाज आना चाहिए। इस बार लोगों को वायु प्रदूषण से राहत की बहुत उम्मीद है, पर अभी से जो लक्षण दिखने लगे हैं, वे चिंता बढ़ा रहे हैं।

ढलती सांझें नारकीय जीवन जीने को मजबूर?

(लेखक - नरेन्द्र भारती)

बेशक एक अक्तूबर 2024 को विश्व वृद्ध दिवस मनाया जा रहा है मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन बड़ी धूमधाम से कार्यक्रम किए जातें हैं बाकि 364 दिन इन वृद्धों को कोई याद तक नहीं करता वृद्धों कें नाम पर चलाई जा रही योजनाएं कागजों में ही क्रियान्वित होती हैं।बुजुर्ग ढलती साझें है।ढलती साझें आज नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।वृद्धों को आश्रमों में भेजा जा रहा है।बुजुर्ग किसी दूसरे द्वारा नहीं बल्कि अपने ही बेटों के कारण उपेक्षित हैं शायद यह उनका दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिन बच्चों के लिए अपना पेट काटकर व भूखे रहकर उनका पालन पोषण किया आज वही बेटे उन्हे दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। बुजुर्गों का तिरस्कार,एक खौफनाक त्रासदी है।आज देश में बुजुर्गों की जो हालत हो रही है उसके मामले समय-समय पर उजागर होते रहते है।कहते है बुजुर्ग अनुभवों की खान होते हैं।बुजुर्ग वटवृक्ष के सामान होते हैं जिनकी शीतल छाया में बच्चे सुरक्षित रहते है मगर आज अपने ही वृक्ष को काटने पर उतारु हो गए हैं। देश में आज लाखों वृद्ध लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं तथा दुसरों पर मोहताज हैं।बुजुर्गो ने पाई-पाई जोड़कर जिन बच्चों को मंहगी व उच्च तालिम देकर पैरों पर खड़ा किया आज उन्ही के सामने दो जून की रोटी के लिए गिड़गडा रहे है।मां-बाप का कर्ज आज तक कोई नहीं चुका पाया है। बुजुर्गों ने अपनी खुशियों का गला घोंटकर अपने बच्चों को हर खुशी प्रदान की मगर आज वही चिराग माता -पिता के दुश्मन बन गए हैं बुजुर्ग परिवार का स्तम्भ होते हैं। आज देश में बुजुर्ग लोग तिरस्कृत जीवन जीने को मजबूर हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वृद्धों के भरण-पोषण के लिए कानून बनाए हैं मगर वे फाईलो की धूल चाट रहे हैं नजीजन लोग कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। आधुनिक युग की तथाकथित बहुएं व कलयुगी बेटे बुजुर्गों से बुरा व्यवहार कर रहे हैं।लेकिन एक दिन उन्हे भी बुढापा आयेगा तब उन्हें भी अपनी करनी का फल अवश्य मिलेगा। आज बुजुर्गों को स्टोर रुम में रखा जाता है मगर एक दिन स्टोर रुम तुम्हारा भी इंतजार कर रहा है जब तुम्हे भी ऐसा ही नसीब होगा।क्योकि जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। अक्सर देखा गया है कि अधिकांश लोग वृद्ध आश्रमों की शरण ले रहे हैं क्योकि जब यह लोग दुखी हो जाते हैं तो वृद्ध आश्रम ही आखिरी विकल्प सूझता हैं। आज बहुत से वृद्ध एकाकी जीवन जी रहे ह। बेटों के पास आज समय नहीं हैं कि अपनों का सहारा बने हमें घर में अपने बुजुर्गों की दिन-रात सेवा करनी चाहिए क्योकिं बुजुर्गों की सेवा से बड़ा कोई तीर्थ नहीं हैं। आज स्थिति यह है कि वृद्ध लोग दाने-दाने को तरस रहे हैं।विडम्बना देखिए कि आज मां-बाप का बंटबारा किया जा रहा है उन्हे महिनों में बांटा गया है कि इस माह किस बेटे के पास खाना खाना है तथा अगले महिने दूसरे बेटे के घर खाना है।जिन मां बाप ने अपने बेटों में कभी भेदभाव तक नहीं किया आंच तक नहीं आने दी कांटा तक चुभने नहीं दिया आज वही बच्चे उनका बंटवारा कर रहे हैं।ऐसी परिस्थितियों के कारण कई लोग असमय ही मौत को गले लगा रहे हैं।बुजुर्गों के साथ बेंटो द्वारा मारपीट की घटनाएं भी होती रहती हैं।मारपीट के कारण कई मारे जा चुके हैं। ऐसी औलादें समाज पर कलंक है जो अपने ही जन्मदाताओं को नरक की जिन्दगी दे रहे है।लेकिन कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। समय बहुत बलवान होता है एक दिन

सजा जरुर मिलेगी।गरीब लोग तो माता -पिता व बुजुर्गो की अच्छी सेवा करते है मगर साधन संपन्न लोगो द्वारा आज बुजुर्गो को ओल्ड ऐज होम तथा सरकार द्वारा बनाए गए वृद्ध आश्रमों में धकेला जा रहा है। आज वृद्धो को पुराना सामान समझ कर निकाला जा रहा हैं। लेकिन दुनिया में सब कुछ मिल जाता है मगर मां-बाप नहीं मिलते। बेचारे बुजुर्ग जिन पोते पोतियों को कंधों पर बिठाकर स्कूल से लाते थे और छोडते थे आज वही उनकी पिटाई तक करते हैं तथा उनका मजाक उडाते हैं।कुछ बुजुर्ग तो घर में ही कैद होकर रह गए हैं वे गुमनामी के अन्धरे में जीने को मजबूर हैं। वृद्ध आज दयनीय स्थिति में जीवनयापन कर रहे हैं।सरकारों ने बुजुर्गों को पैशन की सुविधा दी है पर वह भी नाकाफी साबित हो रही है।सरकार को सख्ती से कानून लागू करने चाहिए ताकि वृद्धों को उनका हक मिल सके।सरकार व प्रशासन को ऐसे लोगों के विरुद्ध ठोस कारवाई करनी चाहिए तथा बुजुर्गों का अनादर करने वालो को दंडित किया जाए।दुनिया में सब कुछ मिल जाता है मगर मां-बाप एक ही बार मिलते है।जब तक बुजुर्गो को उनका सम्मान नहीं मिलेगा ऐसे वृद्ध दिवसों की कोई सार्थकता नहीं होगी।

(वरिष्ठ पत्रकार)

(चिंतन-मनन)

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है।इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूर्ताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है। हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शातौर परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती है। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है। बदलने की स्थिति होने पर बदलना विकास की अनिवार्य प्रक्रिया है।

विचार मंथन

विदेश में भारतीय प्रवासियों की चुनौतियाँ और योगदान

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका में प्रवासी भारतीय समुदाय वहां की सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में जिस तरह से क्रियाशील हैं। उसके बाद से वहां के राजनेताओं का झुकाव भारतीय समुदाय के साथ अपने रिश्ते को मजबूत बनाने मे हुआ है। पिछले कुछ वर्षों मे राष्ट्रपति चुनाव से लेकर स्थानीय चुनाव में भारतीयों की भूमिका महत्वपूर्ण हुई है। हाल ही के राष्ट्रपति चुनाव मे कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ही, भारतीय समुदाय के समर्थन के लिए एड़ी चोटी का पसीना बहा रहे हैं। वहीं अमेरिका के नस्लवाद और कट्टर धार्मिक चरमपंथियों के कारण प्रवासी भारतीयों को चुनौती का सामना भी करना पड़ रहा है। अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासियों की संख्या पिछले कुछ दशकों में तेजी से बढ़ी है। 2010 से 2020 के बीच की अवधि में प्रवासी भारतीयों की संख्या एरिजोना में 74% और जॉर्जिया में 67% तक बढ़ गई है। प्रवासी भारतीयों की व्यापक उपस्थिति, बढ़ती राजनीतिक एवं आर्थिक शक्ति को दर्शाती है। इस बदलाव के कारण अमेरिका में प्रवासी भारतीयों को चुनौती भी मिलना शुरू हो गई है। इसका संतुलन किस तरह से बनेगा, इसको लेकर भारतीयों मे चिंता भी बढ़ गई है। भारतीय प्रवासियों का अमेरिका के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। 20वीं सदी के प्रारंभ से भारतीयों ने अमेरिका और अन्य देशों मे जाकर व्यापार और नौकरी करना शुरू कर दिया था। 1913 में पहला ग़दर आंदोलन ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बनकर, प्रवासियों की स्थिति को मजबूत बनाया है। समय के साथ, भारतीय प्रवासी न केवल आर्थिक रूप से विदेशों में सशक्त हुए। अमेरिका और अन्य देशों मैं भारतीय प्रवासियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान भी बनाई। वर्तमान में, भारतीय प्रवासी समाज कई देशों में वहां की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। भारत से बाहर रहकर भी वह अपनी मातृभूमि के साथ पारिवारिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों के कारण मजबूती के साथ जुड़े हुए हैं। विदेश में रहते हुए उन्होंने आर्थिक, शैक्षणिक, और तकनीकी क्षेत्र में वहां पर भागीदारी करते हुए, भारत के विकास में बड़ा योगदान दिया है। बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी अमेरिकी मे आईटी, उद्योग, चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग भी बढ़ा है। इन दिनों सारी दुनिया के देशों में जिस तरह से नस्लवाद, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आधार पर संघर्ष, अप्रवासन नीतियों में आए बदलावों ने प्रवासियों के जीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। ट्रंप प्रशासन के दौरान कठोर अप्रवासन नीतियों ने भारतीय प्रवासियों के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी की थीं। विशेष रूप से, एच1-बी वीज़ा और ग्रीन कार्ड जैसी प्रक्रियाओं में कड़े नियम प्रवासी भारतीयों के लिए मुश्किल बन गये थे। इन सबके बावजूद, भारतीय प्रवासियों ने अमेरिका में हर चुनौती का सामना करते हुये नई ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। प्रवासी भारतीयों की सफलता केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं है। प्रवासी भारतीयों ने दोनों देशों के बीच में संबंधों को बढ़ाने में भी विशेष योगदान दिया है। भारत और अमेरिका के बीच में प्रवासियों ने एक सेतु के रूप में काम करते हुए, वहां पर अपनी स्थिति को मजबूत बनाया है। अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासी भारत और अमेरिका की आर्थिक समृद्धि और विकास का प्रतीक बन गये हैं। उनकी भूमिका वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को मजबूती प्रदान करती है। हाल ही में अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर जिस तरह से भारतीय समुदाय ने दोनों ही राजनीतिक दलों के साथ समन्वय बनाया। वह राजनीतिक तौर पर प्रवासी भारतीयों की स्थिति को मजबूत बनाते हुए, वहां की राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में योगदान सराहनीय है। हाल ही में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका की यात्रा की थी। उन्होंने भी वहां की राजनीति में भारतीय समुदाय को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने में अहम भूमिका निभाई है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अमेरिका की यात्रा पर गए। उन्होंने भी भारतीय समुदाय की भूमिका को मजबूत बनाने का काम किया। उन्होंने दोनों ही पक्षों के साथ अपनी निकटता बनाते हुए चुनाव से दूरी बनाए रखी, इससे अमेरिका में भारतीय समुदाय की स्थिति मजबूत हुई है। भारतीय समुदाय वहां दोनों ही पक्षों के साथ खड़ा रहकर अपने हितों का संवर्धन करना सीख गया है। इसको लेकर अमेरिका में बसे प्रवासी भारतीयों की जितनी सराहना की जाए वह कम है।

फाउंडेशन मेकअप का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे पर आए कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। पर इसका सही इफेक्ट तभी आता है, जब यह सही तरीके से लगाया जाए। आइए समझते हैं फाउंडेशन की एबीसीडी।

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है तथा मेकअप को अधिक देर तक रखने के लिए भी फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है और इसके इस्तेमाल से कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं।

फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे और गर्दन की त्वचा को क्लींजिंग क्रीम या लोशन से साफ करें। उसके बाद रुई की मदद से चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाएं। फिर अपनी अंगुलियों या गीले स्पंज से चेहरे पर अंदर से बाहर की ओर हल्के से मसाज करते हुए फाउंडेशन को मिलाएं। तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पहले रुई से एस्ट्रिंजेंट लोशन लगाएं। और फिर कुछ देर बाद फाउंडेशन लगाएं। एस्ट्रिंजेंट लोशन से त्वचा की चिकनाई दूर होती है। इसी तरह ड्राई स्किन पर फाउंडेशन लगाने से पहले ग्लिसरीन या मॉइश्चराइजर पूरे चेहरे पर लगाना चाहिए। सामान्य त्वचा के लिए कोई भी फाउंडेशन चल सकता है, मगर ऑयली त्वचा के लिए वॉटर बेस्ड और शुष्क त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर फाउंडेशन अच्छा होता है। आपकी स्किन ड्राई है, तो फाउंडेशन में दो-तीन बूंद पानी मिलाकर चेहर पर लगाएं। चेहरे पर फाउंडेशन अधिक न लगाकर उचित मात्रा में ही लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद टिश्यू पेपर से उसे इकसार कर लें और थोड़ी देर सूखने दें। उसके बाद उस पर फेस पाउडर लगाएं। रात और दिन के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करना उचित होता है। इसमें गोल्ड फाउंडेशन नाइट पार्टी के लिए सही होता है।

फाउंडेशन का चुनाव

फाउंडेशन का मतलब सिर्फ त्वचा के रंग को बदलना ही नहीं होता, बल्कि त्वचा के निकटतम रंग से मैच करना होता है। इसलिए फाउंडेशन का चुनाव अपने चेहरे के रंग के अनुसार ही करें। इनका चुनाव आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर कर सकती हैं। बाजार में फाउंडेशन कई रूपों में उपलब्ध हैं, जैसे लिक्विड, क्रीम, स्टिक, पाउडर फॉर्म में। यदि कोई दुविधा हो, तो ब्यूटी एक्सपर्ट से पूछने में जरा भी न हिचकें। गर्मियों में पैनस्टिक या केक फाउंडेशन हार्ड हो जाते हैं। इस स्थिति में फाउंडेशन लगाने से पहले थोड़ा पानी मिलाएं।

कैसे लगाएं

फाउंडेशन से न सिर्फ चेहरे को आकर्षक बनाया जाता है, बल्कि इससे चेहरे की बनावट में भी बदलाव लाया जा सकता है। मगर यह तभी संभव है, जब आप इसे लगाना जानती हों। फाउंडेशन सिर्फ चेहरे पर ही नहीं, बल्कि गर्दन और कान के हिस्से पर भी एकसार लगाएं। अगर चेहरा गोल हो, तो उस पर गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। यदि फेस स्क्वायर या डायमंड शेप है, तो जबड़े और ठोढ़ी पर गहरे रंग का फाउंडेशन तथा शेष चेहरे पर उससे हल्के रंग का फाउंडेशन लगाएं। यदि आंखों के नीचे की त्वचा का रंग हल्का है, तो यहां गहरे रंग का फाउंडेशन लगाना चाहिए। आंखों के नीचे काले निशान या झांइयां होने की स्थिति में वहां हल्के रंग का फाउंडेशन लगाएं। चौड़ी नाक को पतला दिखाना हो, तो बाकी चेहरे की तुलना में नाक के दोनों ओर गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। अगर गालों की हड्डियां उभरी हुई हों, तो उसके नीचे गहरे रंग का फाउंडेशन लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद चेहरे पर फेस-पाउडर लगाना चाहिए। पाउडर फाउंडेशन के शेड का अथवा उससे एक शेड हल्का लगाना चाहिए। फाउंडेशन की तरह ही फेस पाउडर अनेक रंगों में उपलब्ध है। इसलिए इसका चुनाव त्वचा के रंग और फाउंडेशन के शेड के अनुसार ही करें।

नैचुरल है इसलिए खूबसूरत है

अगर बीते कुछ सालों की बात करें, तो स्वास्थ्य और सौंदर्य के क्षेत्र में हर्बल और ऑर्गेनिक उत्पादों के प्रति लोगों का रुझान काफी बढ़ा है। इसका कारण भी साफ है, ऐसे प्रोडक्ट्स का त्वचा पर किसी तरह का साइड इफेक्ट नहीं होता। इसलिए यह स्किन फ्रेंडली भी है। एक सर्वे के अनुसार महिलाएं एक दिन में लगभग 12 तरह के कॉस्मेटिक्स यूज करती हैं, जिसमें लगभग 175 तरह के केमिकल होते हैं। इनके नियमित इस्तेमाल से त्वचा संबंधी कई समस्याएं होती हैं, क्योंकि जो भी कॉस्मेटिक्स हम इस्तेमाल करते हैं, उनमें से 68 फीसदी हिस्सा हमारी त्वचा सोख लेती है। ऐसे में साइड इफेक्ट्स से बचने के लिए नैचुरल कॉस्मेटिक्स सबसे बेहतर विकल्प हैं। ये त्वचा की खूबसूरती को बढ़ाकर उसे जवां बनाए रखते हैं।

क्या है आर्गेनिक प्रोडक्ट

नैचुरल अथवा ऑर्गेनिक कॉस्मेटिक्स उन्हें कहा जाता है, जिनके निर्माण में किसी भी तरह के केमिकल तत्व या गंध का उपयोग नहीं होता। संवेदनशील त्वचा वालों के लिए इस तरह के कॉस्मेटिक्स सबसे बेहतर हैं। प्राकृतिक चीजों से बने होने के कारण ये कॉस्मेटिक्स प्राकृतिक गुणों और पौष्टिक तत्वों से भरपूर होते हैं।

प्राकृतिक चमक खोने लगी है

उम्र बढ़ने के साथ ही त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक खोने लगती है। ऐसे में प्राकृतिक उत्पाद त्वचा के प्राकृतिक तत्वों का क्षरण रोक त्वचा को चमकदार व लचीला बनाते हैं। ऐसे प्रोडक्ट से एलर्जी व रिएक्शन का खतरा कम होता है, क्योंकि प्राकृतिक उत्पादों से हमारी त्वचा और शरीर की केमिस्ट्री के बीच सामंजस्य बना रहता है।

लंबी-लंबी बात स्किन न कर दे खराब

अनचाहे मुंहासों से आपके चेहरे की खूबसूरती छिन जाती है। यही नहीं, ये जाते-जाते आपके चेहरे पर हमेशा के लिए निशान भी छोड़ जाते हैं। नेहा भी पिछले काफी समय से मुंहासों से परेशान थी। औरों की तरह वो भी सजना-संवरना चाहती थी, मगर मुंहासों की वजह से शोभा ऐसा नहीं कर पाती थी। घरेलू दवा से जब कोई फायदा नहीं मिला, तो नेहा ने स्किन के डॉक्टर से संपर्क किया। तब नेहा को पता चला कि उसके मुंहासों की वजह हारमोनल डिस्बैलेंस या खानपान नहीं है, बल्कि सेलफोन है। बेशक यह चौंकाने वाली बात है। पर शोधों की मानें, तो सेलफोन के लगातार इस्तेमाल से त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं।

कैसे करता है स्किन को डैमेज

मोबाइल से कृत्रिम इलैक्ट्रो-मैग्नेटिक तरंगें (एईडब्ल्यू) निकलती हैं, जिससे त्वचा के टिश्यू गर्म हो जाते हैं। फिनलैंड के एक अध्ययन के अनुसार इससे त्वचा के प्रोटीन की संरचना खराब हो जाती हैं। इसके चलते त्वचा पर झुर्रियां नजर आने लगती है। जिससे असमय अधिक उम्र भी दिखने का अंदेशा भी जताया जा रहा है।

क्या है मोबाइल फोन डर्मेटाइटिस

सेलफोन के टचस्क्रीन और की-पैड में ढेर सारे बैक्टीरिया होते हैं, जो पहले आपकी अंगुलियों पर, फिर चेहरे पर आ जाते हैं। ये धूलकण त्वचा के रोम छिद्रों को जाम कर देते हैं, जिसकी वजह से त्वचा संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। हालांकि यह समस्या लंबे समय तक मोबाइल फोन पर लगे रहने के कारण ही उत्पन्न होती है। सेलफोन से होने वाली इस समस्या को 'मोबाइल फोन डर्मेटाइटिस' कहते हैं, जो मोबाइल फोन के हैंडसेट में मौजूद निकेल की प्रतिकूल प्रतिक्रिया का परिणाम है।

खिचड़ी स्वाद भी, सेहत भी

खिचड़ी शीघ्र पचने वाला खाना है। ज्यादातर खिचड़ी दाल चावल की बनाई जाती है। लेकिन अगर इस खिचड़ी में सब्जियां डालकर बनाएं, तो यह खिचड़ी बड़ी ही जायकेदार हो जाती है और यह पहले से अधिक पौष्टिक भी हो जाती है। बनाना भी बहुत ही आसान। स्वादिष्ट भी और स्वास्थ्यवर्धक भी। तो आइये क्यों न आज तरह-तरह की खिचड़ी बनायें।

साबूदाना खिचड़ी

सामग्री

साबूदाना - 150 ग्राम, तेल या घी - 1 I5 टेबल स्पून, हींग - 1 पिंच, जीरा - आधा छोटी चम्मच, हरी मिर्च - 2 (बारीक कतरी हुई), मूंगफली के दाने - 1 टेबल स्पून,पनीर - 70 ग्राम (यदि आप चाहें), आलू - 1 मीडियम आकार का, अदरक - 1 इंच का टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ), नमक - स्वादानुसार,कसा हुआ नारियल - 1 टेबल स्पून (यदि आप चाहें), हरा धनियां - 1 टेबल स्पून (बारीक कतरा हुआ)

बनाने की विधि

साबूदाने को धो कर, 1 घंटे के लिये पानी में भीगने दीजिये। भीगने के बाद अतिरिक्त पानी निकाल दीजिये। यदि आप बड़े साबूदाना प्रयोग कर रहे हैं तो इसे 1 घंटा भिगोने के बजाय लगभग 8 घंटे भिगोये रखें।आलू को छील कर धीइये और छोटे छोटे क्यूब्स में काट लीजिये। पनीर को भी छोटे छोटे क्यूब्स में काट लीजिये। भारी तले की कढ़ाई में घी डाल कर गरम कीजिये। आलू के क्यूब्स गरम घी में डाल कर हल्के ब्राउन होने तक तल कर निकाल कर प्लेट में रख लीजिये। आलू के क्यूब्स तलने के बाद पनीर के क्यूब्स डाल कर हल्के ब्राउन तल कर उसी प्लेट में निकाल कर रखिये। मूंगफली के दाने को मोटा चूरा कर लीजिये इसे दरेरा करें एकदम बारीक चूरा न करें बचे हुये गरम घी में हींग और जीरा डाल दीजिये। जीरा भुनने के बाद, हरी मिर्च और अदरक डाल दीजिये, और चमचे से मसाले को चलाइये, इस मसाले मे मुंगफली का चूरा डाल कर एक मिनिट तक भूनिये। अब साबूदाना, नमक और काली मिर्च डाल कर अच्छी तरह 2 मिनिट चमचे से चला कर भूनिये। 2 टेबल स्पून पानी डाल कर धीमी गैस पर 7-8 मिनिट तक पकाइये, ढक्कन खोलिये और देखिये कि साबूदाने नरम हो गये है। यदि नहीं हुये हैं, और आपको महसूस हो कि अभी साबूदाने पकने के लिए और पानी चाहिये, तब 1 या 2 टेबल स्पून पानी डाल कर 4-5 मिनिट धीमी गैस पर और पकने दीजिये। आलू और पनीर के क्यूब्स मिला दीजिये। और चलाकर कढ़ाई को गैस से उतार लीजिये साबूदाना की खिचड़ी को प्याले या प्लेट में निकालिये। हरा धनियां नारियल ऊपर से डाल कर सजाइये।

वेजिटेबिल खिचड़ी

सामग्री

चावल - एक कटोरी, मूंग की दाल - आधा कटोरी, आलू - 2 (छोटे टुकड़ों में कटे हुये), शिमला मिर्च - 1 (छोटे टुकड़ों में कटे हुये), मटर - आधा कटोरी (छिली हुई), हरी मिर्च - 2 (बारीक कटी हुई), अदरक - 1 इंच लम्बा टुकड़ा (कद्दू कस कर लें), देशी घी - 1 या 2 (बड़े चम्मच, आपकी इच्छा के अनुसार), हींग - 1-2 पिंच, जीरा - आधा छोटा चम्मच, काली मिर्च - 4-6 (दरदरी कूट लीजिये), लोंग - 4 (दरदरी कूट लीजिये), हल्दी - 1/6, छोटी चम्मच, नमक - स्वादानुसार, हरा धनियां - एक टेबिल स्पून (कटा हुआ)

बनाने की विधि

चावल ओर दाल को साफ करें, और अच्छी तरह धो कर, 1 घंटे के लिये पानी में भिगो दें। सभी सब्जियां धो कर काट ली गयीं हैं। कुकर में घी डाल कर गरम करें। अब गरम घी में हींग और जीरा डाल दीजिये। जीरा ब्राउन होने के बाद, काली मिर्च, लोंग, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च, अदरक डाल दें। 3-4 बार चमचे से चलायें, अब इस मसाले में सारी सब्जियाँ डाल दीजिये। सब्जियों को 2-3 मिनिट चमचे से चला चला कर भूनिये। अब दाल और चावल डाल दें। 2-3 मिनट तक चमचे से चलाते हुये भूनें। जिस कटोरी से आपने दाल चावल नापे हैं, उसी से नाप कर पांच गुना पानी डाल दीजिये। (दाल चावल 1 1/2 कटोरी है, तो पानी 7 1/2 कटोरी डाल दीजिये) साथ ही स्वादानुसार नमक भी डाल दीजिये। कुकर बन्द कर दीजिये। जैसे ही एक सीटी आये, तुरन्त गैस बन्द कर दीजिये। कुकर की सीटी चमचे की सहायता से ऊपर करके, कुकर का प्रेसर आधा निकाल दीजिये। 4 - 5 मिनिट बाद जब कुकर का प्रेशर खतम हो जाय, कुकर खोलिये। आपकी वेजिटेविल खिचड़ी तैयार हो चुकी है। खिचड़ी को बड़े बाउल में निकाल लें। हरा धनियां ऊपर से डालकर सजायें। गरमा गरम वेज खिचड़ी में मक्खन डाल कर परोसे और साथ में दही, अचार या हरे धनिये की चटनी भी रखें।

रवा खिचड़ी

सामग्री

250 ग्राम रवा (सूजी), 1 गाजर, 30 ग्राम फलिया, 50 ग्राम मटर, घी, 1 प्याज, 1 टमाटर, 1 नींबू का रस, नमक स्वादानुसार, 5 हरी मिर्च, 5 ग्राम अदरक, 1 टी स्पून जीरा, 2 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप हरा धनिया, 1 टी स्पून सरसों के दाने, 10 ग्राम उड़द और चने की दाल।

कितने लोगों के लिए : 5

बनाने की विधि

एक पैन में तेल गरम करें जब तेल गरम हो जाए तो उसमें सरसों के दाने उड़द और चने की दाल डालकर फ्राई करें। जब दाल ब्राउन हो जाए तो उसमें बारीक कटा अदरक, जीरा और करी पत्ता डाल दें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च डाल दें जब प्याज और हरी मिर्च ब्राउन हो जाए तो इसमें टमाटर भी डाल दें। अब इसमें कटी हुई सब्जी डालकर फ्राई करें। रवा भी डाल दें और अच्छी तरह भून लें। नमक और 2 कप गरम पानी डालकर ढक्कन लगाकर पकने दें। 3 मिनट बाद ढक्कन हटाकर चलाये, घी, नींबू का रस और बारीक कटा हरा धनिया डालकर गरमागरम रवा खिचड़ी सर्व करें।

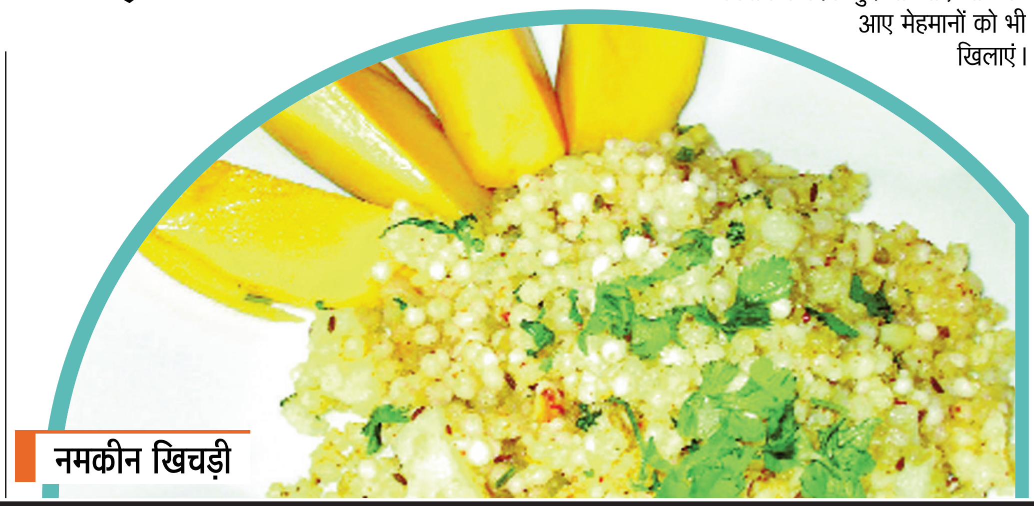

नमकीन खिचड़ी

सामग्री

एक कटोरी सादे चावल, पाव कटोरी मूँग मोगर, 1 बड़ा चम्मच घी, 2-3 हरी मिर्च बारीक कटी, करी पत्ता 4-5, नमक स्वादानुसार,

बनाने की विधि

सर्व प्रथम चावल व मूंग मोगर को साफ करके 3-4 पानी से अच्छी तरह धोकर बनाने के आधे घंटे पूर्व तैयार कर लें। अब प्रेशर कुकर में दाल-चावल और आवश्यकतानुसार पानी डालें तथा नमक डालकर कुकर को बंद करके दो सिटी ले लें। कुकर ठंडा होने के पश?चात एक कटोरी में घी गरम करके जीरे का बघार लगाकर ऊपर से कटी हरी मिर्च और मीठा नीम डालकर तैयार खिचड़ी में बघार डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इस तैयार खिचड़ी को मकर संक्रांति के दिन खुद भी खाएं और घर आए मेहमानों को भी खिलाएं।

मनबा फाइनेंस का शेयर 25 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मनबा फाइनेंस लिमिटेड का शेयर निर्गम मूल्य 120 रुपये से 25 प्रतिशत उछाल के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 25 प्रतिशत उछाल के साथ 150 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 31.20 प्रतिशत चढ़कर 157.45 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर कंपनी का शेयर 20.3 प्रतिशत के उछाल के साथ 145 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में शेयर 26.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 152.25 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 791.02 करोड़ रुपये रहा। मनबा फाइनेंस लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की बोली के तीसरे व अंतिम दिन गत बुधवार तक 223.12 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 151 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 114-120 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। मनबा फाइनेंस का आईपीओ 1,25,70,000 करोड़ ताजा शेयर का निर्गम था।

डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर ने आईपीओ लाने सेबी के पास दाखिल किए दस्तावेज

नई दिल्ली । टेमासेक होल्डिंग्स तथा टीपीजी समर्थित नेत्र देखभाल सेवा प्रदाता डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये करीब 3,000-3,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। आईपीओ 300 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और प्रतर्वतकों तथा अन्य शेयर विक्रेताओं द्वारा 6.95 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों ने आईपीओ का आकार 3,000-3,500 करोड़ रुपये बताया है। इसके अनुसार नए निर्गम से प्राप्त 195 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कर्ज भुगतान करने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा एक हिस्से का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और अज्ञात अकार्बनिक अधिग्रहण के लिए किया जाएगा। डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर मोतियाबिंद और अन्य सर्जरी, परामर्श, निदान, गैर-सर्जिकल उपचार तथा ऑप्टिकल उत्पादों, कॉन्टैक्ट लेंस, सहायक उपकरण और नेत्र देखभाल से संबंधित दवाइयों की बिक्री सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है।

टाटा ऑटोकॉम्प में 13 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदेगी टाटा संस

वर्तमान में टाटा संस के पास वाहन पुर्जा कंपनी टाको में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है

नई दिल्ली । टाटा समूह की नियंत्रक कंपनी टाटा संस टाटा कैपिटल से 2,122 करोड़ रुपये में टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स (टाको) में 12.65 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सा खरीदने की योजना बना रही है। उसका कुल इक्विटी मूल्यांकन 16,800 करोड़ रुपये है। टाटा कैपिटल ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी है। वर्तमान में टाटा संस के पास वाहन पुर्जा कंपनी टाको में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि टाटा मोटर्स के पास 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा ऑटोकॉम्प में शेष हिस्सेदारी टाटा समूह की अन्य कंपनियों के पास है। यह सौदा चालू वित्त वर्ष के आखिर से पहले ही पूरा होने की उम्मीद है। टाटा कैपिटल ने कहा कि पर्याप्त पूंजी के दमदार अनुपात के साथ अपने कारोबार के विकास में मदद और सुचारू कारोबारी परिचालन के लिए उसने यह सौदा किया है और टाटा संस के साथ विभिन्न सौदे कर सकती है। इनमे निवेश की बिक्री, ब्रांड इक्विटी और कारोबार प्रोत्साहन योगदान, सेवाओं का लाभ उठाना, क्रियान्वयन तथा कर्ज देने और रकम जुटाने समेत कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए अन्य सौदे शामिल हैं। टाटा कैपिटल ने सूचना में कहा` कि कंपनी के पास टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स में इक्विटी निवेश है और उस निवेश का कुछ हिस्सा समय-समय पर टाटा संस को विभिन्न किस्तों में बेचा है। कंपनी के पास 1 अप्रैल 2024 तक टाको की 12.65 प्रतिशत इक्विटी शेयरधारिता थी।

अडाणी की नई कंपनी सौर उपकरण बनाने शुरू करेगी विनिर्माण प्लांट

नई दिल्ली ।

अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) सौर उपकरण बनाने के लिए सोलर ग्लास, एल्युमीनियम फ्रेम और बैकशीट का विनिर्माण प्लांट शुरू करने पर विचार कर रही है। ये सभी कंपनी के मौजूदा सोलर सेल एवं मॉड्यूल के लिए अहम पुर्जे हैं। एएनआईएल अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की हरित ऊर्जा उत्पाद विनिर्माण इकाई है। फ्रांस की ऊर्जा कंपनी टोटाल एनर्जीज की एएनआईएल में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी है और बहुलांश हिस्सा एईएल के पास है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि इस योजना का मकसद सोलर सेल एवं मॉड्यूल विनिर्माण के लिए अपनी आपूर्ति व्यवस्था तैयार करना है। एएनआईएल इस समय पॉलिसिलिकन वेफर, सिल्ली, सेल एवं मॉड्यूल बना रही है जिनका इस्तेमाल सोलर मॉड्यूल और तैयार उत्पादों में होता है। इस बारे में कंपनी के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सौर ऊर्जा परियोजना में काम आने वाले कई पुर्जे ऐसे हैं जिनका हम आयात करते हैं। दो

कंपनियां सोलर ग्लास जरूर बना रही है ले किन इससे जरूरत पूरी नहीं हो रही है। इसे देखते हुए हम स्वयं इसे तैयार करना चाहते हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने ई-मेल के जरिये इस योजना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि कंपनी की यह पहल दीर्घ अवधि के लिए टिकाऊ आपूर्ति व्यवस्था खड़ा करने की उसकी योजना का हिस्सा है। अदाणी सोलर गुजरात के मुंद्रा में भारत का सबसे व्यापक एवं अत्याधुनिक सौर विनिर्माण तंत्र स्थापित कर रहा है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 10 पैसे गिरावट के साथ ही 83.79 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह दुनिया भर के बाजारों के नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर 83.75 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और महीने के अंत में आयातकों की ओर से बढ़ी मांग के कारण प्रमुख विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में 83.72 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.75 प्रति डॉलर पर फिसल गया। ये पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दिखा रहा है। वहीं रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.69 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी बढ़त के साथ 100.17 पर रहा।

चावल निर्यात में छूट से सभी को होगा फायदा!

- केंद्र सरकार ने एक तीर से किए दो शिकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने गैर बासमती चावल के निर्यात से प्रतिबंध हटाकर उसकी जगह 490 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य लगा दिया। कारोबारी सूत्रों के अनुसार इससे केंद्र ने एक तीर से दो शिकार किए। केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में उपयोग होने वाले सस्ते चावल का भारत से निर्यात नहीं हो और दूसरे, चावल की प्रीमियम किस्मों 'सोना मसूरी' और 'गोविंद भोग' के निर्यात में कोई अड़चन भी न रहे। सरकार ने इसके एक दिन पहले गैर बासमती चावल निर्यात पर कर कम किया और फिर न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाया। गैर बासमती चावल की सबसे ज्यादा निर्यात होने वाली किस्में 'गोविंद भोग' और 'सोना मसूरी' हैं और इनका वैश्विक बाजार में मूल्य 600 डॉलर प्रति टन से अधिक है। सरकार ने उसना चावल पर निर्यात शुल्क 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया। बाजार के सूत्रों के अनुसार इस फैसले से भारत की चावल की किस्में थाईलैंड को चुनौती दे सकेंगी। थाईलैंड के 100 फीसदी प्रीमियम उसना चावल का मूल्य 4 सितंबर के 604 डॉलर प्रति टन से गिरकर 25 सितंबर को 583 डॉलर प्रति टन आ गया। इस तरह चावल की इस किस्म के दाम में एक माह के दौरान करीब 4 फीसदी की गिरावट आ गई। भारत का उसना चावल 20 फीसदी निर्यात कर के साथ 570-600 डॉलर प्रति टन पर बेचा जा रहा था। अब निर्यात कर घटने से थाईलैंड के मूल्य के बराबर आ जाएगा। कारोबारियों के अनुसार गैर बासमती चावल की श्रेणियां टूटा चावल, उसना चावल और सफेद (अरवा) या कच्चा चावल हैं। वित्त वर्ष 23 में कई देश भारत से निर्यात किए जाने वाले चावल के लिए अच्छा रहा। भारत के चावल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी अलग पहचान है। भारत का कुल निर्यात करीब 2.23 करोड़ टन था। इसमें बासमती चावल 45.5 लाख टन और गैर बासमती चावल का निर्यात 177.8 लाख टन था।

33 करोड़ से अधिक विजिट के साथ, फ्लिपकार्ट के बिग बिलियन डेज़ 2024 ने भारत के त्योहारी सीज़न की शुरुआत की

बेंगलुरु। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने 27 सितंबर को अपने बहुप्रतीक्षित द बिग बिलियन डेज़ (टीबीबीडी) 2024 का 11वां संस्करण लॉन्च किया, जो 26 सितंबर से फ्लिपकार्ट वीआईपी और प्लस ग्राहकों के लिए भी शुरू हो रहा है हो गया एक दिन की शुरुआती पहुंच और पहले ही दिन फ्लिपकार्ट पर रिकॉर्ड 33 करोड़ से अधिक उपभोक्ता विजिट, देश भर में उपभोक्ताओं की उत्सव की भावना को दर्शाता है। मोबाइल, खाद्य पदार्थ और पोषक तत्वों और सौंदर्य श्रेणियों में बढ़ती मांग के साथ शुरुआती रुझान आने वाले त्योहारी सीजन का संकेत देते हैं।

शुरुआती रुझान इस त्योहारी सीज़न के लिए भारत की प्राथमिकता का संकेत देते हैं

TBBD'24 का प्रारंभिक रुझान उपभोक्ता भावना को दर्शाता है, जिसमें मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रमुख उपकरण, फैशन, सौंदर्य और घरेलू उत्पादों जैसी श्रेणियों में उपभोक्ताओं के बीच सबसे अधिक मांग देखी जा रही है। नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु जैसे मेट्रो शहरों में टीबीबीडी 2024 के पहले 24 घंटों में मांग में वृद्धि देखी गई है, यह शॉपिंग फेस्टिवल दर्शाता है कि मेदिनीपुर, हिसार, बरहामपुर, बांकुरा और अगरतला सहित कई प्रांतों में त्योहारी खरीदारी के लिए उपभोक्ता मांग देखी गई है। उपभोक्ताओं ने अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए एथनिक वियर, वेस्टर्न वियर, स्पोर्ट्स फुटवियर, कैजुअल फुटवियर और फॉर्मल फुटवियर जैसे उत्पादों को खरीदना चुना, जो द बिग बिलियन डेज़ की शुरुआती पहुंच और पहले दिन की खरीदारी की मांग को उजागर करता है।

ब्रांड मेला, फ्लिपइनट्रेंड्स और स्पॉयल जैसी विभिन्न इंटरैक्टिव सुविधाओं के माध्यम से, फ्लिपकार्ट ने विविध ग्राहक समूहों को व्यक्तिगत और ट्रेंड-आधारित खरीदारी अनुभव की पेशकश की है जो उसके उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं और जरूरतों के अनुरूप है। FlipInTrends में 10 गुना उछाल देखा गया, जो क्यूरेटेड और ट्रेंडिंग उत्पादों में रुचि को दर्शाता है जो उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप नवीनतम फैशन और जीवनशैली खोजने में मदद करता है। बैगी बॉटम्स और जींस, ब्लॉक प्रिंट कुर्ते, डिम्योर ड्रेस, रेट्रो रनर, यूटिलिटी कार्गो, मल्टी-पॉकेट शर्ट और को-ऑर्ड सेट और जापानी स्टाइल टी-शर्ट जेन जेड के लिए पसंदीदा विकल्प बन रहे थे।

फ्लिपकार्ट के हाइपर-वैल्यू प्लेटफॉर्म शॉप्सी में पिछले त्योहारी सीजन की तुलना में ग्राहकों की संख्या में 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी और लेनदेन में 2.8 गुना की वृद्धि देखी गई। जीवनशैली, कपड़े, घर और रसोई जैसी प्रसिद्ध श्रेणियों में दोगुनी वृद्धि देखी गई है और सौंदर्य व्यक्तिगत देखभाल में तीन गुना वृद्धि देखी गई है।

टीबीबीडी 2024 ने ग्राहक खरीदारी अनुभव को अधिक आकर्षक और बेहतर बनाने के लिए ऐप डिज़ाइन किया है। गैर-मोबाइल स्ट्रीमिंग में, वीडियो कॉमर्स और लाइव कॉमर्स ने पिछले साल के त्योहारी सीज़न की तुलना में 1.8 गुना की बढ़ोतरी के साथ सबसे अधिक दर्शकों की संख्या दर्ज की। टीबीबीडी से पहले की अवधि की तुलना में लाइव कॉमर्स स्ट्रीमिंग के दौरान उत्पाद खरीद में 25 गुना उछाल आया है। आज, 85 प्रतिशत वीडियो उपभोक्ता युवा हैं और 65 प्रतिशत उपभोक्ता टियर दो शहरों से आते हैं, जो इंटरैक्टिव और रीयल-टाइम शॉपिंग प्रारूपों की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। क्लियर ट्रिप्स ने प्री-फेस्टिव सीज़न की तुलना में प्लेटफ़ॉर्म पर उपयोगकर्ताओं में 2.5 गुना वृद्धि दर्ज की है। गोवा, अमृतसर, नैनीताल, वाराणसी और मसूरी जैसे लोकप्रिय स्थलों पर हवाई और होटल बुकिंग में 3 गुना और 4 गुना वृद्धि देखी गई है।

इस त्योहार बीएमडब्ल्यू भी दे रही विशेष छूट के साथ बेहतर सुविधाएं

लक्जरी कार कंपनियों का आकर्षक ऑफर

मुंबई,(ईएमएस)।

इस साल त्योहारी सीजन में, बीएमडब्ल्यू कार निर्माता कंपनी के साथ ही अनेक लग्जरी कार निर्माता कंपनियों ने ग्राहकों को लुभाने के लिए अनेक आकर्षक ऑफर्स की घोषणा कर रहीं हैं। ये कंपनियां कम ब्याज दर के साथ ही साथ किफायती मासिक किस्तों और रोड टैक्स में छूट जैसे लाभ ग्राहकों को देने की बात कर रही हैं। अब देखना यह होगा कि कंपनियों के ये उपभोक्ता लुभाऊ वादे लग्जरी कारों की बिक्री पर क्या असर डालते हैं।

इसी कड़ी में इस साल के त्यौहारी सीजन में जर्मनी की कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने बीएमडब्ल्यू जॉय डेज प्रस्तुत किया है। इसके जरिए ग्राहकों को अनेक वित्तीय लाभ प्रदान करने की बात कही जा रही है। कंपनी ने विभिन्न मॉडलों की लग्जरी कारों पर विशेष ब्याज दर घोषित की हैं, जो कि सामान्य ब्याज दर से करीब 40 प्रतिशत कम है। इस आधार पर कहा जा रहा है कि कार खरीदने पर ग्राहक को ईएमआई 49,999 रुपये से शुरू होगी। वहीं ऑडी इंडिया ने त्योहारों के मौके पर ग्राहकों के लिए विशेष योजना पेश कर रही है। इसमें सर्विस प्लान, एक्सेसरीज पर भी छूट और अन्य लाभ शामिल हैं। कंपनी ने 100 डेज ऑफ सेलिब्रेशन नाम से विशेष योजना का आगाज किया है। इसके तहत ग्राहकों को कम ब्याज पर वाहन ऋण और पुरानी कारों की बेहतर कीमत देने का वादा कर रही हैं।

इसी तरह से मर्सिडीज बेंज इंडिया भी ड्रीम डेज कैम्पेन योजना के अंतर्गत ग्राहकों को किफायती ईएमआई, मुफ्त बीमा और कॉरपोरेट लाभ जैसे लाभ देने की बात करती है। इसके साथ ही, इलेक्ट्रिक कारों के ग्राहकों को रोड टैक्स में 50 प्रतिशत तक की छूट देने की घोषणा की है। इसके बावजूद देखने वाली बात यह होगी कि इन महंगी कारों के खरीददार कितनी रुचि दिखाते हैं, क्योंकि विश्लेषकों की राय तो पिछले सालों की अपेक्षा इस साल महंगी कारों की बिक्री में कमी आने का संकेत दे रही है।

टाटा टियागो ईवी ने भारतीय बाजारों में मचाई धूम

नई दिल्ली । हाल ही में टाटा टियागो ईवी ने इस क्षेत्र में धूम मचाई है। यह कार विशेष रूप से दैनिक यात्रा करने वालों के लिए एक किफायती विकल्प साबित हो रही है। टाटा टियागो ईवी की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 7.99 लाख से लेकर रुपए 11.49 लाख तक है, और यह दो वैरिएंट में उपलब्ध है। इसके बेस मॉडल में फुल चार्ज पर 250 किमी और टॉप वैरिएंट में 315 किमी की रेंज मिलती है। टॉप वैरिएंट में 24केडब्ल्यूएच की बैटरी है, जो औसतन पब्लिक चार्जिंग कॉस्ट रुपए 18 प्रति किलोवाट-घंटा के हिसाब से लगभग रुपए 450 में फुल चार्ज होती है। प्रति किलोमीटर का संचालन खर्च केवल रुपए 1.43 है, जो इसे पेट्रोल या डीजल कारों की तुलना में बेहद किफायती बनाता है। अगर आप महीने में 1500 किमी यात्रा करते हैं, तो आपका मासिक खर्च लगभग रुपए 2,145 होगा। इसी तुलना में, पेट्रोल टियागो की लागत लगभग रुपए 8,130 होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि टियागो ईवी केवल एक किफायती विकल्प नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी बेहतर है। इससे पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद, कार चलाने का खर्च कम हो जाता है। यदि आप एक ऐसी कार की तलाश में हैं जो आपके बजट में हो और आपके दैनिक यात्रा को सुगम बनाए, तो टाटा टियागो ईवी एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है।

एक अक्टूबर को होगा अनिल अंबानी की किस्मत का फैसला!

- रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में लिए जाएंगे कई फैसले

मुंबई ।

कभी कर्ज की वजह से चर्चा में रहने वाले कारोबारी अनिल अंबानी के दिन अब फिरने लगे हैं। बताय जा रहा है` कि अनिल अंबानी की दो कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने अपना कर्ज कम कर दिया है। इससे इन दोनों कंपनियों के शेयर रॉकेट बन गए हैं। अनिल अंबानी के लिए एक अक्टूबर का दिन बेहद खास होने वाला है। इस दिन इनकी कंपनी को लेकर कई फैसले होंगे। ऐसे में एक अक्टूबर को अनिल अंबानी की किस्मत का फैसला होगा। एक अक्टूबर को अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी। इस बैठक में कंपनी से जुड़े कई फैसले लिए जाएंगे। बताया जा रहा है कि इस बैठक में बोर्ड लॉन्ग टर्म तक फाइनेंशियल रिसॉर्सेज जुटाने पर विचार करेगा और उन्हें मंजूरी देगा। ऐसा होता है तो यह कंपनी के लिए अच्छा कदम होगा। बता दें कि 19 सितंबर को हुई बोर्ड मीटिंग के बाद कंपनी अब डोमेस्टिक और इंटरनेशनल मार्केट से पूंजी जुटाने पर फोकस कर रही है। बताया जा रहा है कंपनी बैठक में फंड जुटाने के लिए अलग-अलग रणनीति अपना सकती है। इसके लिए इक्विटी शेयरों, इक्विटी-लिंक्ड सिक्योरिटीज या इक्विटी शेयरों में परिवर्तनीय वारंट के माध्यम से फंड जुटा सकती है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने पिछले हफ्ते बताया था कि उनके बोर्ड ने लगभग 12.56 करोड़ इक्विटी शेयरों के तरजीही इश्यू के माध्यम से 3,014 करोड़ रुपये जुटाने को मंजूरी दे दी है। रिलायंस पावर ने स्टॉक एक्सचेंज में अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में 3872.04 करोड़ रुपये के बकाया कर्ज को चुकाने की जानकारी दी थी। अनिल अंबानी की दोनों कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रा के शेयर तेजी से भाग रहे हैं। रिलायंस पावर ने पिछले एक महीने में करीब 52 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं रिलायंल इंफ्रा भी रिटर्न के मामले में पीछे नहीं रही है। इस कंपनी ने एक महीने में करीब 55 फीसदी रिटर्न दिया है।

त्योहारों से पहले सस्ता हो सकता है पेट्रोल और डीजल

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार त्योहारों से पहले पेट्रोल और डीजल के भाव में कटौती करने वाली है। तेल कंपनियां वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी का फायदा आम आदमी को पहुंचाने की तैयारी कर ली है। माना जा रहा है कि त्योहारों से पहले सरकार भी पेट्रोल और डीजल के दाम घटाने को हरी झंडी दे देगी। दुनिया के बड़े तेल उत्पादक देशों जैसे सऊदी अरब की ओर से सप्लाई बढ़ने के बाद वैश्विक बाजार में क्रूड के भाव 24 से 33 फीसदी तक नीचे आ गए हैं। इससे कंपनियों को तेल खरीदने में काफी बचत भी हो रही है। ब्रेंट क्रूड भी 72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया है, जिसका फायदा अब आम आदमी को देने की तैयारी चल रही है। मामले से जुड़े तीन अधिकारियों का कहना है कि तेल कंपनियों ने अपनी ओर से दाम घटाने की पूरी तैयारी कर ली है, बस सरकार की हरी झंडी का इंतजार है। अनुमान है कि इस

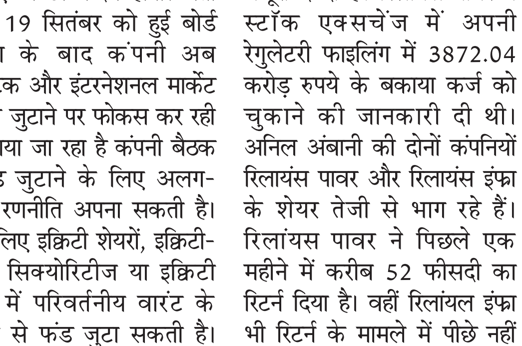

बार पेट्रोल और डीजल के दाम 3 रुपये प्रति लीटर तक घटाए जा सकते हैं। तेल सस्ता होने की उम्मीद इसलिए है, क्योंकि बीते एक साल में क्रूड के भाव काफी नीचे आ गए हैं। सितंबर, 2023 में जहां ब्रेंट क्रूड का भाव 96.5 डॉलर प्रति बैरल था, वहीं 2024 में यह 25.38 फीसदी टूटकर 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

इसी अनुपात में भारत का कच्चा तेल खरीदने का भाव भी पिछले साल के 93.54 डॉलर से 21.12 फीसदी टूटकर 73.78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

अशनीर ग्रोवर भारत-पे से आउट, कंपनी की कोई शेयर होल्डिंग भी नहीं

फंड हेराफेरी मामले में लंबी कानूनी लड़ाई के बाद हुआ समझौता

नई दिल्ली। फिनटेक कंपनी भारत-पे और उसके पूर्व सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर के बीच 88.67 करोड़ रुपए की हेराफेरी के मामले में अब समझौता हो गया है। सोमवार को एक बयान में कंपनी ने जानकारी देते हुए बताया कि समझौते के तहत ग्रोवर अब किसी भी तरह से भारत-पे से नहीं जुड़े हुए हैं और उनके पास कंपनी की कोई शेयर होल्डिंग भी नहीं है।

कंपनी प्रवक्ता ने बताया कि ग्रोवर के कुछ शेयर कंपनी के लाभ के लिए रेजिलिएंट ग्रोथ ट्रस्ट को दिए जाएंगे, जबकि उनके शेष शेयरों का प्रबंधन उनके पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा किया जाएगा। भारत-पे ने यह भी कहा कि दोनों पक्षों ने दायर मामलों को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी ने यह भी कहा कि हम ग्रोवर के अच्छे होने की कामना करते हैं। भारत-पे मुनाफे के साथ ग्रोथ को जारी रखते हुए मर्चेंट्स और ग्राहकों को इंडस्ट्री के अग्रणी सॉल्यूशंस पेश करता रहेगा।

इस मामले में ग्रोवर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह भारत-पे के साथ समझौते कर लिया है। उन्होंने कहा कि मैं भारत-पे के बोर्ड और मैनेजमेंट में पूरा भरोसा रखता हूं, वे कंपनी को सही दिशा में आगे ले जाने के लिए कार्य कर रहे हैं। ग्रोवर ने यह भी कहा किया कि वह अब भारत-पे के साथ किसी भी प्रकार से जुड़े नहीं रहेंगे, जिसमें शेयर होल्डिंग भी शामिल है।

बता दें ग्रोवर और उनकी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर को 88.67 करोड़ रुपए फंड की हेराफेरी के मामले में भारत-पे से निकाल दिया गया था। इसके बाद कंपनी ने पैसे की वापसी के लिए हाईकोर्ट का रुख किया था। पिछले हफ्ते दिल्ली पुलिस की ईओडब्ल्यू ने मामले में दीपक गुप्ता को गिरफ्तार किया था जो ग्रोवर के परिवार से संबंधित है। इससे पहले, एक अन्य आरोपी अमित बंसल को भी ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार किया था। यह समझौता भारत-पे और ग्रोवर के लिए अहम कदम माना जा रहा है, जो कंपनी की स्थिरता और विकास को सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

सोलेक्स एनर्जी ने भारत के पहले आयताकार सेल-आधारित सौर मॉड्यूल का अनावरण किया

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी सौर ब्रांड सोलेक्स एनर्जी लिमिटेड (NSE:SOLEX) ने अपनी विज़न 2030 रणनीति के हिस्से के रूप में 8,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा की है। यह रणनीतिक पहल सौर प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने और संचालन को बढ़ाने के लिए सोलेक्स की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो कंपनी को पूरी तरह से एकीकृत सौर खिलाड़ी के रूप में स्थापित करती है।

इस महत्वाकांक्षी योजना के हिस्से के रूप में सोलेक्स 2 गीगावॉट की प्रारंभिक क्षमता के साथ एक नई सेल विनिर्माण सुविधा के विकास की खोज कर रहा है, जिसे 5 गीगावॉट तक बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी मॉड्यूल निर्माण क्षमता भी 1.5 गीगावॉट से बढ़ाकर 15 गीगावॉट कर दी जाएगी। सोलेक्स का लक्ष्य इस वृद्धि को समर्थन देने के लिए कार्यबल को 25,000 से अधिक तक विस्तारित करना है।

सोलेक्स एनर्जी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक चेतन शाह ने कहा, "विजन 2030 पूरी तरह से एकीकृत सौर कंपनी बनने का हमारा मुख्य उद्देश्य है। सोलेक्स एनर्जी आयताकार कोशिकाओं की विशेषता वाली एन-टाइप टॉपकॉन तकनीक की शुरुआत के साथ दक्षता और विश्वसनीयता के स्तर को भी बढ़ा रही है।

विज़न 2030 का एक प्रमुख घटक टीएपीआई-आर श्रृंखला का लॉन्च है।

क्रांतिकारी सौर मॉड्यूल में एन-टाइप टॉपकॉन तकनीक और आयताकार सेल डिज़ाइन शामिल है, जो भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए एक नया मानक स्थापित करता है। इस श्रृंखला का नाम तापी नदी के नाम पर रखा गया है, जो जीवन शक्ति का प्रतीक है और सोलेख का मुख्यालय भी सूरत में है। "आर" अपने आयताकार सेल डिज़ाइन के कारण बिजली दक्षता और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि करता है।

टीएपीआई-आर श्रृंखला में 182.2 ×210 मिमी का सेल आकार और 132 आधे-कट सेल हैं, जो 23.14% मॉड्यूल दक्षता के साथ 625 WP तक की शक्ति प्रदान करते हैं। जो रेगिस्तान और बंजर भूमि जैसे चुनौतीपूर्ण वातावरण में बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाओं के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है, जिसकी द्विभाजित दर लगभग 80% और बिजली तापमान गुणांक -0.28%/डिग्री सेल्सियस होगा। यह श्रृंखला न्यूनतम वार्षिक मूल्यह्रास के साथ 12 साल की व्यापक उत्पाद वारंटी और 30 साल की उत्पाद वारंटी प्रदान करती है।

भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश पर शिकंजा कसा

कानपुर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने मेहमान टीम बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कसा दिया है। यशस्वी जायसवाल 72 और केएल राहुल 68 के अर्धशतकों से भारतीय टीम ने चौथे दिन अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 285 रनों पर घोषित कर दी। इस दौरान भारतीय टीम ने सबसे तेज 200 रन का रिकॉर्ड भी बनाया।वहीं इससे पहले मोमिनुल हक की शतकीय पारी की बदौलत बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 7 विकेट के नुकसान पर 233 रन बनाए थे। मोमिनुल ने 194 गेंदों पर 17 चौकों और एक छक्के की मदद से 107 रन की पारी खेली। वहीं भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। मोहम्मद सिराज, अश्विन और आकाशदीप ने 2-2 विकेट लिए जबकि एक विकेट रविंद्र जडेजा के नाम रहा। भारतीय टीम ने इस मैच में पहली पारी के आधार पर 52 रनों की बढ़त ले ली है। वहीं दिन का खेल समाप्त होने के समय तक बांग्लादेश ने अपनी दूसरी दूसरी पारी में 26 रन पर ही दो विकेट खो दिये थे। स्टंप्स के समय शादमान इस्लाम सात रन वहीं मोमिनुल शून्य पर खेल रहे थे। भारत के लिए दोनों विकेट आर अश्विन ने लिए। अब केवल एक दिन का खेल बचा है और भारतीय टीम की नजरें मेहमान टीम को जल्द से जल्द आउट करने पर रहेगी। दूसरे और तीसरे दिन का खेल बारिश में धुलने के बाद लग रहा था कि यह मैच ड्रॉ होना तय है पर जिस प्रकार भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने खेला उससे भारतीय टीम ने मैच पर पकड़ बना ली है।

अश्विन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश को दूसरी पारी में पहला झटका दिया। अश्विन ने जाकिर हसन को एलबीडब्ल्यू आउट किया। जाकिर ने अपंयार के फैसले के खिलाफ डीआरएस का इस्तेमाल किया, लेकिन उनका रिव्यू बेकार गया और उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा। जाकिर 10 रन बनाकर आउट हुए।

भारत की ओर से पहली पारी में यशस्वी ने सबसे ज्यादा 72 रन बनाए। उन्होंने 51 गेंद में 12 चौके और दो छक्के की मदद से 72 रन की पारी खेली। वहीं कप्तान रोहित शर्मा ने 11 गेंद में एक चौका और तीन छक्के की मदद से 23 रन बनाए जबकि शुभमन गिल ने 36 गेंद में 29 रन, ऋषभ पंत ने 11 गेंद में नौ रन, विराट कोहली ने 35 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 47 रन बनाए। केएल राहुल ने 43 गेंद में सात चौके और दो छक्के की मदद से 68 रन बनाए। रवींद्र जडेजा ने आठ रन, रविचंद्रन अश्विन ने एक रन और आकाश दीप ने 12 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज और शाकिब अल हसन ने चार-चार विकेट लिए। वहीं, हसन महमूद को एक विकेट मिला।

जडेजा ने बनाया रिकार्ड

कानपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कए अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। जडेजा मैच के चौथे दिन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेजी से 300 विकेट और 3000 रन बनाने वाले एशियाई क्रिकेटर बन गए। जडेजा ने जैसे ही बांग्लादेश के बल्लेबाज खालिद अहमद को अपनी ही गेंद पर कैच किया उनके 300 विकेट पूरे हो गये। इससे पहले उनके नाम 299 विकेट थे।

जडेजा ने 73 मैचों में 299 विकेट लिए थे। उन्होंने 13 बार 5 विकेट भी लिए हैं जबकि दो बार मैच में 10 विकेट लिए थे। टेस्ट की एक पारी में उनके नाम 13 बार चार विकेट का रिकार्ड है। वहीं जडेजा कुल मिलाकर देखा जाये तो सबसे तेजी से ये आंकड़ा हासिल करने वाले विश्व के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउडर इयान बॉथम ने 72 टेस्ट मैचों में 300 विकेट और 3000 रन पूरे किए थे।

नीता अंबानी ने ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों का सम्मान किया

मुंबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सदस्य नीता अंबानी ने यहां एक समारोह में ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों को सम्मानित किया। नीता के घर पर आयोजित समारोह में करीब 140 एथलीटों के अलावा कोच और खेल जगत से जुड़ी कई अन्य हस्तियां भी शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहली बार, 140 ओलंपिक और पैरालंपिक एथलीट एक ही मंच पर एक एकसाथ नजर आये हैं जिसे देखकर खुशी हुई है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में ऐतिहासिक है, पिछले दो महीनों में, हमारे ओलंपियन और पैरालिंपियन शानदार प्रदर्शन कर गर्व से तिरंगा लेकर दुनिया के सामने आए हैं। आज रात, पहली बार, वे सभी एक ही छत के नीचे एकसाथ बैठे हैं। ये जीत और सफलता में एकजुटता की भावना दिखाता है। उन्होंने भारत की महिला एथलीटों के योगदान की भी सराहना करते हुए कहा, उनकी सफलताएं और भी अहम हैं क्योंकि पेशेवर खेलों को आगे बढ़ाने में महिलाओं को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसमें केवल आर्थिक चुनौतियां ही नहीं, यहां तक कि अपने परिवारों से अनुमति प्राप्त करना, या प्रशिक्षण के लिए सुविधाएं ढूंढ़ना, फिजियो और पुनर्वास केंद्रों तक पहुंचना, या बस कोच तक पहुंचने के लिए उन्हें अपने गांवों से काफी दूर तक की यात्रा करनी पड़ती है। ऐसे में लड़कियों के लिए खेलों में पहचान बनाना एक लंबी और कठिन यात्रा है। इतनी बाधाओं के बाद भी हमारी महिला एथलीटों ने सफल होकर अपने को साबित किया है।

कोहली ने तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे तेज 27,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले क्रिकेटर बने

कानपुर (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन 27,000 अंतरराष्ट्रीय रन का आंकड़ा पार करने वाले सबसे तेज क्रिकेटर बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने सोमवार को कानपुर में धूप वाले दिन शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल करते हुए 'मास्टर ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

कोहली ने यह उपलब्धि 594 पारियों में हासिल की, जो क्रिकेट के भगवान से 29 पारियां कम है। अपने शानदार करियर के दौरान सचिन ने 623 पारियों में 27,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए थे। श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा ने 648 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया के मशहूर कप्तान रिकी पोंटिंग ने 650 पारियों में 27,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए थे।

कोहली ने अपने सहज ड्राइव और आकर्षक स्ट्रोक खेलना जारी रखा, ऐसा लग रहा था कि वह क्रीज पर लंबे समय तक टिके रहेंगे। लेकिन शाकिब अल हसन की नीची गेंद पर कोहली आउट हुए। ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद कोहली 47(35) रन बनाकर वापस लौटे। कोहली के नाम अब 27,012 अंतराष्ट्रीय रन हैं, जो क्रिकेट के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे तेज रन हैं।

बूमराह की गेंद पर बोल्ड हुए मुशफिकुर

कानपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बांग्लादेश के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम को साफ बोल्ड कर दिया। बुमराह की यह गेंद इतनी कठिन थी कि मुशफिकुर हिल भी नहीं पाये और और उनका विकेट निकल गया। इस तरह भारतीय टीम को पारी का चौथा विकेट मिला। मुशफिकुर को लगा कि गेंद पैड के करीब से निकल जाएगा पर ऐसा नहीं हुआ और वह सीधे विकेटों पर जा लगी। इस मैच में पहले दिन केवल 35 ओवर हुए थे जबकि दूसरे और तीसरे दिन बारिश के कारण खेल नहीं हुआ। वहीं चौथे दिन बांग्लादेश ने 107 रनों से अपनी पारी को आगे बढाया पर पहले ही सेशन में बुमराह ने विकेट लेकर भारतीय टीम इंडिया को पहली सफलता दिलायी। इससे पहले टीम इंडिया के लिए आकाश दीप सिंह ने दो और आर अश्विन ने एक विकेट लिया था।

रोहित ने पकड़ा लिटन का असंभव सा कैच, खिलाड़ियों के साथ ही दर्शक भी हुए हैरान

कानपुर। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन मैच शुरु होने पर प्रशंसकों ने राहत की सांस ली क्योंकि पिछले दो दिनों से बारिश होने के कारण मैच नहीं हो पाया था। खेल शुरु होने पर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक ऐसा असंभव सा कैच पकड़ा जिसे देखकर खिलाड़ी और दर्शकक सभी हैरान हो गये। रोहित ने बांग्लादेशी बल्लेबाज लिटन दास का कैच मोहम्मद सिराज की गेंद पर एक हाथ से ही लपक लिया। लिटन ने मो सिराज की गेंद पर एक तेज शॉट लगाया पर रोहित ने तेजी दिखाते हुए हवा में उछलकर एक हाथ से ही कैच पकड़ लिया। बांग्लादेश की पारी के 50वां ओवर में लिटन ने ये आक्रामक शॉट खेला था। वह इस गेंद पर एक बड़ा शॉट खेलकर चौका या छक्का लगाना चाहते थे पर रोहित ने खेल बिगाड़ दिया। जैसे ही शॉट लगा रोहित ने हवा में पीछे की तरफ उंची छलांग लगा दी। उन्होंने एक हाथ से ही गेंद पकड़ ली। इससे बल्लेबाज लिटन सहित स्टेडिमय में बैठे लोग भी समझ ही नहीं पाये कि असंभव सा कैच कैसे हो गया।

ऑस्ट्रेलिया में फिट रहने के लिए चतुर बनना होगा : बुमराह

कानपुर। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घरेलू श्रृंखला में अपना कार्यभार धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में काफी गेंदबाजी करनी होगी। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बाद भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं। बुमराह ने चौथे दिन के खेल से पहले कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में फिट रहने के लिए चतुर बनना होगा। इसलिए यहां कुछ ओवर अधिक मिलना अच्छा है क्योंकि वहां काफी गेंदबाजी करनी होगी।' कानपुर टेस्ट में गीली आउटफील्ड के कारण दूसरे और तीसरे दिन का खेल नहीं हो सका। बुमराह ने कहा, 'मौसम हमारे हाथ में नहीं है लेकिन कुछ समय आराम मिलना भी अच्छा रहा। यहां के बाद चेन्नई के हालात में तुरंत ढलना होगा।' भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। बुमराह ने कहा, 'मेरा पसंदीदा प्रारूप टेस्ट है। मैं उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं।'

'गेंदबाजों ने परिस्थितियों का अच्छे से आकलन किया', इंग्लैंड पर जीत के बाद बोले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श

ब्रिस्टल (यूके) (एजेंसी)। पांचवें वनडे के साथ इंग्लैंड पर सीरीज जीतने पर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श ने कहा कि उनके गेंदबाजों ने परिस्थितियों का अच्छी तरह से आकलन किया और इंग्लिश टॉप ऑर्डर की शानदार शुरुआत के बाद मैच में वापसी की।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों, खासकर ट्रैविस हेड की शानदार गेंदबाजी और मैथ्यू शॉर्ट के शानदार अर्धशतक की बदौलत विश्व चैंपियन टीम ने सोमवार को पांचवें और अंतिम वनडे में डकवर्थ लुईस पद्धति के जरिए इंग्लैंड पर 49 रन से जीत दर्ज कर सीरीज अपने नाम कर ली।

मार्श ने मैच के बाद कहा, 'वे (इंग्लैंड) बड़े स्कोर की ओर बढ़ रहे थे। लेकिन हमारे गेंदबाजों ने परिस्थितियों का अच्छे से आकलन किया, वापसी करने के लिए उनका प्रयास शानदार रहा।' उन्होंने यह भी कहा कि टीम को बल्लेबाजों को चुनौती देने और उन्हें परेशान करने के लिए अधिक गेंदबाजी विकल्पों की आवश्यकता है और 12 दिनों के भीतर पांच वनडे में प्रतिस्पर्धा करना एक चुनौती थी।

उन्होंने कहा, 'हमारे पास कुछ अनुभवी क्रिकेटर थे, जिन्होंने नेतृत्व किया। हमारे पास बहुत कुछ है, उन ट्रॉफियों को जीतना मुश्किल है। हम कुछ महीनों में पाकिस्तान का सामना करने के लिए उत्सुक हैं। हमने युवा खिलाड़ियों पर जोर दिया है, हमारे पास भविष्य में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने के लिए कई खिलाड़ी हैं।'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले कप्तान बने हैरी ब्रूक, विराट का रिकार्ड तोड़ा

ब्रिस्टल। इंग्लैंड की कप्तान कर रहे युवा हैरी ब्रूक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दूसरे मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। अब हैरी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान बना गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के नाम था। हैरी ने पांच मैचों में 78.00 की औसत से 312 रन बनाए जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 110 है। इस सीरीज में हैरी का स्ट्राइक रेट 127.86 रहा। पांच मैचों की इस सीरीज के साथ ही अब हैरी ने 20 एकदिवसीय में 39.94 की औसत से 719 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम एक शतक और पांच अर्द्धशतक हैं। उनका स्ट्राइक रेट 106.73 है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे अधिक रन विराट ने साल 2019 में 62.00 की औसत से 310 रन बनाए थे जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 107.63 था। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 123 रन था। इस सीरीज में विराट ने दो शतक भी थे। इसके अलावा ब्रूक अब कप्तान के रूप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे अधिक बार लगातार 50 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गये हैं। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व कपतान इमरान खान, इंजमाम उल हक और बाबर आजम के अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन की भी बराबरी पर ली है।

यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट में लगाया तूफानी अर्धशतक, वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड टूटा

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान कानपुर के ग्रीन पार्क में एक के बाद एक रिकॉर्ड बने और इस दौरान यशस्वी जायसवाल ने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। जायसवाल ने भारत के लिए टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक जड़ने के मामले में भारत के प्रतिष्ठित सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ दिया है। भारतीय टीम ने इंग्लैंड की 'बैजबॉल' अवधारणा को अपना रूप दिया और शुरुआत से ही बांग्लादेश के गेंदबाजों पर हमला बोला। रोहित ने जहां पूरी आक्रामकता दिखाई, वहीं जायसवाल ने खुद को नियंत्रित तरीके से पेश किया। पहले तीन ओवरों में रोहित और जायसवाल ने विपक्षी टीम को फील्डरों को बाउंड्री पर बाउंड्री लगाई। जायसवाल ने महज 31 गेंदों का सामना करने के बाद तेज-तर्रार अर्धशतक का जश्न मनाया। उन्होंने सहवाग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2008 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ 32 गेंदों में अर्धशतक बनाया था।

बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज अब टेस्ट क्रिकेट में अर्धशतक बनाने वाले चौथे सबसे तेज भारतीय खिलाड़ी हैं। ऋषभ पंत (28 गेंद) अभी भी टेस्ट प्रारूप में भारत के लिए सबसे तेज अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड अपने पास रखे हुए हैं। उन्होंने 2022 में बेंगलुरु में बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका के खिलाफ पूरी ताकत झोंक दी और रिकॉर्ड बनाया। पंत ने महान ऑलराउंडर कपिल देव को पीछे छोड़ा था जिनके नाम 1982 से यह रिकॉर्ड था। उन्होंने कराची में भारत के कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 50 रन का आंकड़ा छूने के लिए सिर्फ 30 गेंदें खेली थी।

जायसवाल की तेज पारी का अंत बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद के हाथों हुआ। अंदर की ओर झुकी हुई गेंद जायसवाल के बल्ले से टकराकर निकल गई, जिससे उन्हें 72 (51) के स्कोर पर डगआउट लौटना पड़ा। भारत ने 285/9 पर पारी घोषित की जिससे वे टेस्ट पारी में सबसे तेज 50, 100 और 200 रन बनाने वाली टीम बन गई। बांग्लादेश ने चौथे दिन कुछ देर बल्लेबाजी की और 26/2 का स्कोर बनाते हुए अभी 26 रन से पीछे है।

टी20 महिला विश्व कप के लिए भारतीय टीम की तैयारियों पर बोले लक्ष्मण, सिर्फ नेट्स अभ्यास नहीं था, मैच भी खेले

बेंगलुरू। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण का मानना है कि हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने टी20 महिला विश्व कप से पहले यहां सेंटर आफ एक्सीलैंस में लगाये गए शिविर में जो मेहनत की है, उसका फायदा टूर्नामेंट में मिलेगा। भारतीय टीम चार अक्टूबर को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। लक्ष्मण ने बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलैंस में पत्रकारों से कहा, 'उन्होंने जिस प्रतिबद्धता, समर्पण और ऊर्जा के साथ तैयारी की है, वह अतुलनीय है। मुझे उनकी तैयारियों पर गर्व है। यह काफी अच्छा शिविर था और मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने इस तरीके से तैयार किया था कि पहले चरण में मानसिक और शारीरिक पहलुओं पर फोकस था। इसके बाद ब्रेक था और दूसरे चरण में कौशल तथा तकनीकी पहलू पर जोर रहा। यह सिर्फ नेट्स अभ्यास तक नहीं था बल्कि पांच मैच भी खेले जिसमें अमोल ने उन्हें अलग-अलग तरह की चुनौतियां दी।' लक्ष्मण ने कहा कि भारत में महिला क्रिकेट आगे की ओर बढ़ रहा है और इसमें महिला प्रीमियर लीग की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि महिला क्रिकेट का ग्राफ ऊपर जा रहा है। इस भूमिका में मैने भारतीय युवा लड़कियों और अंतरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ियों को तैयारी करते देखा है। डब्ल्यूपीएल काफी अच्छी पहल है। इससे आईपीएल की ही तरह घरेलू क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जगह बनाने का मंच मिला है।'

सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के मैदान पर वापसी करेंगे, इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में खेलेंगे

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के मैदान पर वापसी करेंगे। वह इस साल के अंत में तीन स्थानों पर आयोजित होने वाली छह टीमों की टी20 प्रतियोगिता इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) के पहले संस्करण में खेलते नजर आएंगे। आईएमएल में भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और श्रीलंका के खिलाड़ी भाग लेंगे और यह मुंबई, लखनऊ और रायपुर में खेला जाएगा।

हर साल आयोजित होने वाला यह टी20 टूर्नामेंट तेंदुलकर और भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के दिमाग की उपज है, जो लीग कमिश्नर भी होंगे। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तेंदुलकर और गावस्कर पीएमजी स्पोर्ट्स और स्पोर्ट्स मार्केटिंग कंपनी स्पोर्टफाइव के साथ मिलकर भारत में लीग का आयोजन करने के लिए एक और कंपनी स्थापित करेंगे। किसी एक फ्रेंचाइजी टीम के स्वामित्व के माध्यम से लीग में भाग लेने में रुचि रखने वाले पक्षों को भी रुचि व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

तेंदुलकर ने कहा, 'पिछले दशक में टी20 क्रिकेट ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की है और इस खेल में नए प्रशंसक जुड़े हैं। अब हर उम्र के प्रशंसकों में पुराने खिलाड़ियों को नए प्रारूपों में फिर से देखने की तीव्र इच्छा है। खिलाड़ी कभी भी दिल से रिटायर नहीं होते हैं और उनके अंदर की प्रतिस्पर्धी भावना मैदान पर वापस आने के अवसर की प्रतीक्षा करती है। हमने जुनूनी प्रशंसकों और प्रतिस्पर्धी क्रिकेटरों के मिलन स्थल के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग की कल्पना की है।' गावस्कर ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग प्रशंसकों को उन दिग्गजों के करीब लाएगी जिनकी वे वर्षों से प्रशंसा करते रहे हैं, जिससे उन्हें अपने नायकों को एक्शन में लाइव देखने का एक और सुनहरा मौका मिलेगा।

सोशल शार्क टैंक में प्रस्तुत हुए नये सामाजिक आइडिया

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा रविवार को जयंती महोत्सव में सोशल शार्क टैंक एवं "आहुति" नाटक का आयोजन किया गया। सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस में दोपहर दो बजे से सोशल शार्क टैंक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न टीमों ने अपने इनोवेटिव आइडियाज़ प्रस्तुत किए, जिनका मकसद समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना था। शाम साढ़े सात बजे से "आहुति" नाटक का मंचन किया गया। नाटक में बच्चों को उनके सपनों को पूरा करने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए, और उन्हें केवल स्कूल एवं कॉलेजों में रैंक और अंकों के पीछे भागने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए का शक्तिशाली सामाजिक संदेश दिया गया। आयोजन में ट्रस्ट के पदाधिकारी, युवा एवं महिला शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

"वास्तु से सफलता" के चौथे कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। हाल में घड़ी की सूई की तरह, लोग अपने घर, परिवार और भौतिक जीवन पर ध्यान दिए बिना पैसे के लिए भाग रहे हैं। वास्तु का इतना प्रभावशाली प्रभाव होता है कि यह जीवन में शक्तिशाली शारीरिक और मानसिक ऊर्जा उत्पन्न करता है। इसी बात को लेकर सूरत शहर के वराछा क्षेत्र स्थित सरदार स्मृति भवन हॉल में च्वास्तु से सफलताज्ञ के चौथे कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शास्त्री महेशकुमार गोंडलिया ने विभिन्न विषयों पर गहनता से बात की और लोगों के सवालों के जवाब भी दिये।

बारिश के बावजूद वास्तु से सफलता के इस चौथे कार्यक्रम में हजारों लोगों ने भाग लिया। अमरेली के सांसद भरतभाई सुतरिया और सूरत के पूर्व नगरसेवक माधुभाई सुतरिया सहित विभिन्न क्षेत्रों के बिल्डरों ने भी इस सेमिनार का लाभ लिया। शास्त्री महेशकुमार गोंडलिया ने कहा कि वास्तु विज्ञान में हर प्रकार की समस्या का समाधान है। लोग अब जिम्मेदारियों की भागदौड़ में अपनी जिंदगी जी रहे हैं, लेकिन उनके आसपास क्या हो रहा है और किस तरह की स्थिति पैदा हो गई है, इस पर कोई ध्यान नहीं देता। हमारे पितृमंदिर ट्रस्ट ने इस कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को वास्तु के सिद्धांतों की उचित जानकारी देने के लिए इस निःशुल्क कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

"फन विद फ्लेवर्स" कुकिंग कंपटीशन का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा अग्रसेन जयंती महोत्सव में सोमवार को ÿफन विद फ्लेवर्सÿ कुकिंग कंपटीशन का आयोजन सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के पंचवटी हॉल में दोपहर 3 बजे से किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि आयोजन में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता मे प्रतियोगियों को चार तरह के व्यंजन मॉकटेल, स्टाटर, सलाद और डेजर्ट तैयार करने थे और उसे एक फन एलिमेंट डालकर प्रस्तुत करना था। इस मौके पर महिला शाखा की रुचिका रुंगटा, सरोज अग्रवाल, प्रीति गोयल, अनुराधा जालान, कुसुम सराफ, सुषमा दारूका, अनीता केडिया सहित महिला शाखा की अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

डिंडोली के दीप दर्शन विद्या संकुल के बच्चे अंडर 19 फ्लोर बॉल गेम्स के राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गुजरात का प्रतिनिधित्व करेंगे

सुरत भुमि, सूरत। डिंडोली का दीप दर्शन विद्या संकुल बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक कार्यों के साथ-साथ नवीन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन कर रहा है। इसके तहत स्कूल के 12 छात्र तमिलनाडु के पलायशिवम नामक स्थान पर फ्लोर बॉल प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे हैं, ताकि छात्र आगे बढ़ सकें और खेल के क्षेत्र में भी अपना करियर बना सकें। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता हर वर्ष इंडियन फ्लोर बॉल फेडरेशन द्वारा आयोजित की जाती है। यह 18वीं राष्ट्रीय फ्लोर बॉल चैंपियनशिप है जो पांच दिनों तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में पूरे भारत से अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 सहित 40 से अधिक टीमों के भाग लेने की उम्मीद है। गुजरात की इस टीम का नेतृत्व स्कूल के मुख्य कोच हर्षभाई जरीवाला और राहुल सर करेंगे। तमिलनाडु जाने से पहले इन छात्रों से संस्थान के प्रशासक दशरथभाई पटेल, तुषारभाई पटेल और प्रिंसिपल भावेश आर जोशी ने सभी विद्यार्थियों मुलाकात की एवं मुख्य प्रशिक्षक को बधाई दी।

'दिल से काम लीजिए' की भावना के साथ आयोजित, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के वर्ल्ड हार्ट डे मैराथन ने दिल की अच्छी सेहत की मुहिम को प्रोत्साहन दिया

अहमदाबाद। भारत में कार्डियक साइंसेज के सबसे बड़े और सबसे अनुभवी सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने 29 सितंबर, 2024 को विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में बड़े स्तर पर मैराथन का आयोजन किया। दिल की सेहत के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा अंगदान के नेक कार्य में सहयोग देने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें मैराथन की तीन श्रेणियों — यानी 5 किमी, 10 किमी और 21 किमी की मैराथन दौड़ में 2,000 से अधिक लोग बड़े उत्साह के साथ शामिल हुए। समुदाय को दिल की सेहत की परवाह करते हुए कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना ही इस पहल का उद्देश्य था, ताकि सभी लोग दिल का ख्याल रखने के साझा लक्ष्य के साथ एकजुट हो सकें। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते समय गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराने वाले मैराथन धावक श्री जगत करणी के साथ-साथ सुश्री नीता देसाई, आईपीएस, ट्रैफिक, अहमदाबाद, तथा श्री नीरव बारोट, पुलिस इंस्पेक्टर, अहमदाबाद भी उपस्थित थे। उनकी मौजूदगी ने इस कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने के साथ-साथ दिल की सेहत के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा समुदाय को शारीरिक तंदुरुस्ती से जुड़ने के लिए प्रेरित करने की सभी की सामूहिक भागीदारी पर जोर दिया। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने बड़े उत्साह के साथ विश्व हृदय दिवस के मौके पर आयोजित अपनी पहली मैराथन के सफल समापन की घोषणा की।

इस आयोजन में दिल की सेहत के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'दिल से दिल तक' के नाम से एक विशेष सत्र को भी शामिल किया गया था, जिसकी कमान मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट की टीम ने संभाली। इन ज्ञानवर्धक सत्रों में दिल की बीमारियों की रोकथाम, शुरुआती चरण में पहचान और उपचार की कारगर योजना के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी गई, जिससे लोगों को दिल की सेहत के बारे में शिक्षित करने के अस्पताल के संकल्प को और बल मिला। इस अवसर पर मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने अंगदान जागरूकता अभियान की भी अगुवाई की, जिसमें लोगों की जान बचाने में ऑर्गन ट्रांसप्लांट की अहमियत और अंग-दाताओं की बढ़ती आवश्यकता के साथ-साथ दिल की सेहत और अंगदान की संस्कृति को बढ़ावा देने के बारे में बताया गया, जिनका लोगों के जीवन पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

इस मौके पर हार्ट-लंग्स ट्रांसप्लांट प्रोग्राम एवं एमसीएस प्रोग्राम के डायरेक्टर, डॉ. धीरेन शाह कहते हैं, "इस साल का विश्व हृदय दिवस, 'दिल से काम लीजिए' की थीम पर आधारित है, जिसका उद्देश्य है कि दिल की अच्छी सेहत के लिए तुरंत कदम उठाना बेहद जरूरी है, फिर चाहे ऐसा व्यायाम के ज़रिये किया जाए, नियमित जाँच के माध्यम से किया जाए या फिर लाइफस्टाइल में बदलाव के ज़रिये किया जाए। हमारी मैरिंगो सीआईएमएस मैराथन पहल भी इसी भावना को दर्शाती है, जो लोगों को अपने दिल की सेहत को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करती है। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में, हम दिल की बीमारियों का इलाज करने के साथ-साथ समुदायों को भी उनकी रोकथाम हेतु कदम उठाने के लिए प्रेरित करने के अपने संकल्प पर कायम हैं। लोगों ने आज के कार्यक्रम का जबरदस्त स्वागत किया, जिससे यह जाहिर होता है कि हम सब साथ मिलकर दिल की सेहत को सभी के लिए प्राथमिकता बना सकते हैं।"

मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने भारतीय युवाओं में दिल की बीमारियों के बढ़ते मामले

अहमदाबाद। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने विश्व हृदय दिवस के उपलक्ष्य में युवाओं में दिल के दौरे के बढ़ते मामलों के बारे में जागरूकता फैलाने की मुहिम शुरू की। बीते दौर में ऐसा माना जाता था कि दिल का दौरा मुख्य रूप से बुजुर्गों को होने वाली बीमारी है, लेकिन आज भारत के युवाओं में भी इसके मामले सामने आना बड़ी आम बात हो गई है और यह बेहद चिंताजनक है। पिछले एक दशक में, देश भर के अस्पतालों में 20 से 30 साल की उम्र की युवाओं में दिल की बीमारियों तथा दिल के दौरे के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। यह चिंताजनक प्रवृत्ति सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है; पूरी दुनिया में दक्षिण एशियाई लोग दिल की बीमारियों से सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि, दुनिया भर में दिल की बीमारियों से पीड़ित 50-60ऌ मरीज भारतीय मूल के हैं। डॉ. अनीश चंदराणा, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल ने युवाओं को प्रभावित करने वाले कारकों के साथ-साथ उन्हें अपनी अच्छी सेहत को बरकरार करने के लिए उठाए जाने वाले ज़रूरी कदमों के बारे में विस्तार से बताया। भारतीय युवाओं में दिल की बीमारियों से पीड़ित होने की संभावना अधिक होती है, क्योंकि इसमें आनुवंशिकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पश्चिमी देशों के लोगों की तुलना में भारतीयों की कोरोनरी आर्टरी में बहुत कम उम्र में ही वसा (फैट) जमा होने लगती है। इसी वजह से, भारतीयों के दिल के दौरे से पीड़ित होने की उम्र अमेरिका, यूरोप या जापान जैसे देशों के लोगों की तुलना 10 से 15 साल कम होती है। हमारे देश के लोगों में दिल की बीमारियों से जुड़ी जटिलताओं, यानी की दिल का दौरा पड़ने या अचानक दिल की धड़कन रुकने से मौत के मामलों की संख्या भी अधिक है।

डॉ. अनीश चंदराणा, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, कहते हैं, च्इस समस्या को बढ़ाने में शारीरिक व्यायाम की कमी, अनियमित नींद, लंबे समय तक काम करना और लगातार तनाव की अहम भूमिका होती है। इसके अलावा, डिजिटल उपकरणों और सोशल मीडिया के बहुत अधिक उपयोग ने लोगों की मानसिक सेहत से जुड़ी समस्याओं को बढ़ाया है, जिसका सीधा असर दिल की सेहत पर पड़ता है। हाल ही में एक चिंताजनक वाली बात यह सामने आई है कि युवाओं में शारीरिक व्यायाम के दौरान दिल के दौरे के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। अपनी सेहत की परवाह करने वाले बहुत से युवा, जो बिना तैयारी के और उचित स्वास्थ्य जांच के बिना बेहद कठिन वर्कआउट पर जोर देते हैं, उनमें से कई युवाओं को दिल उसकी गंभीर बीमारियों के साथ अस्पताल के आपातकालीन कक्षों में भर्ती होना पड़ा है। इससे यह बात जाहिर होती है कि, अपनी शारीरिक सीमाओं को समझना और नया फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना बेहद कितना मायने रखता है।ज्ज

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी S24 FE किया लॉन्च, अब अधिक यूजर्स उठा सकेंगे गैलेक्सी एआई की क्षमताओं का लाभ

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी स्24 स्नश्व लॉन्च किया है। यह गैलेक्सी एआई इकोसिस्टम का नया प्रोडक्ट है, जो ज्यादा से ज्यादा यूजर्स को शानदार मोबाइल अनुभव देता है।

गैलेक्सी S24 FE में एआई-बेस्ड प्रोविजुअल इंजन और फोटो असिस्ट फीचर के साथ एडवांस्ड कैमरा सेटअप दिया गया है, जिससे यूजर्स अधिक क्रिएटिव बन सकते हैं। इसमें 6.7-इंच का डायनैमिक एमोलेड 2X डिस्प्ले, 4,700mAh बैटरी और पावरफुल एक्सिनॉस 2400 सीरीज चिपसेट है, जो चलते-फिरते गेमिंग का बेहतरीन अनुभव देता है।

यह डिवाइस कम्युनिकेशन, उत्पादकता और क्रिएटिविटी बढ़ाने के लिए प्रीमियम गैलेक्सी एआई टूल्स और इकोसिस्टम कनेक्टिविटी के साथ आता है। साथ ही, इसका आइकॉनिक डिजाइन और मजबूत सैमसंग नॉक्स सिक्योरिटी इसे पूरी तरह से सुरक्षित बनाते हैं।

एआई से बेहतर कैमरा और एडिटिंग की सुविधा: गैलेक्सी S24 FE का प्रीमियम कैमरा सेटअप में 50MP वाइड लेंस (3× ऑप्टिकल जूम) और 8MP टेलीफोटो लेंस शामिल हैं, जो ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन (OIS) सपोर्ट करते हैं। साथ ही इसमें 12MP अल्ट्रा-वाइड लेंस और 10MP का सेल्फी कैमरा भी है।

इस सीरीज में नया प्रोविजुअल इंजन है, जो एआई एल्गोरिदम की मदद से फोटो में बेहतरीन डिटेलिंग और टेक्सचर प्रदान करता है:

नाइटोग्राफी: एआई इमेज सिग्नल प्रोसेसिंग (ISP) के साथ कम रोशनी में भी बेहतरीन नाइट पोर्ट्रेट्स खींच सकते हैं।

एआई जूम: 50MP एडैप्टिव पिक्सेल सेंसर के साथ काम करता है, जो 3× ऑप्टिकल जूम के अलावा 2× जूम पर भी ऑप्टिकल-क्वालिटी तस्वीरें खींचता है।

ऑब्जेक्ट-अवेयर इंजन: यह इंजन फोटो और वीडियो को पहचानता है और सुपर हाई डायनैमिक रेंज (HDR) में रंगों को सही ढंग से एडजस्ट करता है, जिससे आपको बेहतरीन क्वालिटी की फोटो और वीडियो मिलती हैं।

फोटो एडिटिंग में फोटो असिस्ट फीचर्स का अनुभव गैलेक्सी स्24 सीरीज में एक नई ऊंचाई पर पहुंचता है। गैलेक्सी एआई की मदद से आप तस्वीरों को आसानी से एडिट कर सकते हैं और अपनी क्रिएटिविटी को नई दिशा दे सकते हैं:

जेनरेटिव एडिट: इससे आप तस्वीरों में ऑब्जेक्ट्स को मूव या रिमूव कर सकते हैं, जिससे आपको ज्यादा रचनात्मक स्वतंत्रता मिलती है।

पोर्ट्रेट स्टूडियो: यह फीचर आपकी सेल्फी को कार्टून, कॉमिक्स, वॉटर कलर पेंटिंग या स्केच में बदलकर आपके ऑनलाइन प्रोफाइल को और आकर्षक बनाता है।

एडिट सजेशंस: एक बटन के क्लिक पर रिफ्लेक्शंस जैसी छोटी खामियों को तुरंत दूर कर देता है।

इंस्टेंट स्लो-मो: जीवन के खास पलों को स्लो मोशन में कैद करके उन्हें और भी यादगार बना देता है।

पॅरामाउंट डाई टेक लि.का आईपीओ 3 अक्तुबर 2024 को बंद होगा

पॅरामाउंट डाई टेक लि. ने 30 सितंबर 2024 को आरंभिक सार्वजनिक इश्यू (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक होने की अपनी योजना की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य नॅशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. के इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध शेयरों के साथ 28.43 करोड़ रुपये तक जुटाना है। प्रत्येक इक्विटी शेयर का अंकित मूल्य 10 रुपये है. यह इश्यू 24.3 लाख शेयरों तक का है।

जनवरी 2014 में एक पार्टनरशिप फर्म के रूप में स्थापित और उसके बाद एक पब्लिक लि. कंपनी में परिवर्तित पॅरामाउंट डाई टेक लि. कपड़ा उद्योग के बी2बी सेगमेंट की पूर्ति के लिए अपशिष्ट सिंथेटिक फाइबर को रीसाइक्लिंग करके यार्न का उत्पादन करती है।

आईपीओ की शुद्ध आय का उपयोग 16 करोड रुपये का नई विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए किया जाएगा। 4.50करोड़ रुपये कुछ ऋणों के पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान के लिए होगा और 1 करोड़ रुपये प्रमोटरों से खरीदी गई जमीन की रजिस्ट्री के लिए, और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए खर्च किया जायेगा।

पॅरामाउंट डाई टेक आईपीओ का बुक रनिंग लीड मैनेजर ग्रेटेक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लि. है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्रा. लि. इश्यू का रजिस्ट्रार है। पॅरामाउंट डाई टेक आईपीओ के लिए बाजार निर्माता ग्रेटेक्स शेयर ब्रोकिंग लि. है।

श्री कुणाल अरोड़ा ने कहा, "हमें अपने आगामी आईपीओ की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है. नॅशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. इमर्ज प्लॅटफॉर्म का उभरता मंच। पॅरामाउंट टिकाऊ और गोलाकार कपड़ों की बढ़ती मांग के अनुरूप है। विभिन्न उच्च विकास बाजारों में हमारी प्रमुख स्थिति है इसलिए हम कंपनी के शानदार भविष्य की आशा करते हैं।"

जनवरी 2014 में एक पार्टनरशिप फर्म के रूप में स्थापित और उसके बाद एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित, पॅरामाउंट डाई टेक लि. कपड़ा उद्योग के बी2बी सेगमेंट की पूर्ति के लिए अपशिष्ट सिंथेटिक फाइबर को रीसाइक्लिंग करके यार्न का उत्पादन करती है।

आईडीएफसी लिमिटेड के साथ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का विलय सफलतापूर्वक पूरा हुआ

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक द्वारा आज बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान, बैंक ने घोषणा की कि उसने आईडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय पूरा कर लिया है। यह घोषणा शेयरधारकों और नियामकों से सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद की गई, और 1 अक्टूबर, 2024 से प्रभावी होगी।

विलय के परिणामस्वरूप, आईडीएफसी लिमिटेड के प्रत्येक 100 इक्विटी शेयर्स के लिए बैंक के 155 इक्विटी शेयर्स आवंटित किए जाएँगे। यह आवंटन उन शेयरधारकों पर लागू होता है, जिनके पास रिकॉर्ड तिथि, 10 अक्टूबर, 2024 तक आईडीएफसी लिमिटेड के शेयर्स हैं। उम्मीद है कि नियामक प्रक्रियाओं और मंजूरी के अधीन, शेयर्स 31 अक्टूबर, 2024 को या उससे पहले आईडीएफसी लिमिटेड के शेयरधारकों को जमा कर दिए जाएँगे।

विलय के बारे में बोलते हुए, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री वैद्यनाथन ने कहा, "आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आईडीएफसी लिमिटेड के बीच आज विलय की जो घोषणा की गई है, वह दो वर्षों की कड़ी मेहनत का प्रतीक है। मैं आईडीएफसी लिमिटेड का आभारी हूँ कि उन्होंने पूरी संरचना को सरल बनाने, चुनौतियों से निपटने और विलय को संभव बनाने के लिए महत्वपूर्ण सहायक चर्चाएँ कीं। मैं सभी नियामक प्राधिकरणों को उनके महान मार्गदर्शन और समर्थन के लिए भी धन्यवाद देता हूँ, जिससे इस विलय को सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद मिली।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के पास अब बिना किसी प्रमोटर होल्डिंग के एक सरल कॉर्पोरेट संरचना होगी। बैंक ऑफ अमेरिका, जेपी मॉर्गन, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक जैसे सभी ग्लोबल कॉर्पोरेशंस पेशेवर संस्थान हैं, जिनमें कोई प्रमोटर हिस्सेदारी नहीं है। इसी तरह, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक भी खुद को उनकी तरह एक स्थायी संस्थान के रूप में स्थापित कर सकता है। इस लिहाज से यह विलय बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सुबम पेपर्स लिमिटेड का आयपीओ 3 अक्तुबर 2024 को बंद होगा

मुंबई । सुबम पेपर्स लिमिटेड ने 30 सितंबर, 2024 को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के साथ सार्वजनिक होने की अपनी योजना की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध शेयरों के साथ 93.70 करोड़ रुपये तक जुटाना है। यह इश्यू रुपये के अंकित मूल्य पर 61,64,800 लाख शेयरों तक का है। कुल निर्गम आकार (ताज़ा अंक): 61,64,800 लाख शेयर इक्विटी शेयर (कुल मिलाकर 93.70करोड़ तक) शेयर। यह अंक 3 अक्तुबर 2024 को बंद होगा. संभावित लिस्टिंग तिथी : 8अक्टूबर, 2024 होगी. मूल्य बँड - रु. 144-152 रुपये प्रति शेयर. लॉट साइज - 800 इक्विटी शेयर.

सुबम पेपर्स लि.(एसपीएल) क्राफ्ट पेपर और पेपर उत्पादों के निर्माण में लगी हुई है। सुबम ने वर्ष 2004 में पेपर कोन के निर्माण के साथ अपनी यात्रा शुरू की और बाद में अपने पोर्टफोलियो में डुप्लेक्स बोर्ड और क्राफ्ट पेपर को शामिल करके उत्पाद आधार का विस्तार किया। आवंटन के बाद शेयर बीएसई एसएमई पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। यह इश्यू कंपनी की आईपीओ के बाद की चुकता पूंजी का 26.52% हिस्सा है। आईपीओ की शुद्ध आय से, कंपनी 75.00 करोड रुपये का उपयोग करेगी। पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं के लिए सहायक कंपनी में निवेश के लिए, और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जायेगा। ग्रेटेक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लि. बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के लिए रजिस्ट्रार है। सुबाम पेपर लिमिटेड का बाज़ार निर्माता ग्रेटेक्स शेयर ब्रोकिंग लिमिटेड है।

सुबम पेपर्स लिमिटेड के सीएमडी श्री. टी. बालाकुमार ने कहा, "हमें घोषणा करते हुए खुशी हो रही है. बीएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर हमारा आगामी आईपीओ। कंपनी के पास कई कागज उत्पाद हैं. एकही छत के नीचे और इस प्रकार ग्राहकों की पसंद का आनंद लिया जा रहा है। हम एक के लिए तत्पर है.

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)